वर्ष : 17 ❖ अंक : 100 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
सोमवार, 14 नवम्बर 2022

लाई डिटेक्टर टेस्ट से अपनी 'ईमानदारी' साबित करें केजरीवाल : पूनावाला 3

पाकिस्तान को हराकर इंग्लैंड बना विश्व विजेता 8

राज्य में जनता के पैसे का हो रहा है बंदरबांट : चामलिंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 13 नवम्बर । सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री तथा एसडीएफ पार्टी अध्यक्ष पवन चामलिंग ने एसकेएम सरकार पर राज्य को आर्थिक संकट की ओर धकेलने का आरोप लगाते हुए कहा कि मौजूदा सरकार ने भ्रष्टाचार, घोर पूंजीवाद और वित्तीय ज्ञान की कमी के कारण सिक्किम की अर्थव्यवस्था को नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि एसकेएम सरकार दवा, चिकित्सा उपकरणों, निर्माण सामग्रियों आदि की खरीद में लागत का चार गुणा खर्च कर रही है और सरकारी भवनों का निर्माण भी अनुमानित लागत से काफी अधिक पर किया जा रहा है।

एसडीएफ के प्रचार महासचिव विष्णु दहाल ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि एसडीएफ पार्टी प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग को लगता है कि आने वाले समय में राज्य में आर्थिक संकट और गहराने वाला है। चामलिंग के अनुसार वर्तमान में राज्य में सत्ताधारी एसकेएम के कुछ प्रमुख पार्टी कार्यकर्ता, नेता और व्यापारिक साझेदार ही अमीर हो रहे हैं। बड़े पैमाने पर आर्थिक संकट का सामना कर रहे मध्यम और निम्न मध्यम वर्गीय लोगों की कीमत पर एसकेएम नेताओं और उनके व्यापारिक साझेदारों को लाभान्वित करते हुए सिक्किम में घोर पूंजीवाद फल-फूल रहा है।

इसके साथ ही पवन चामलिंग ने एसकेएम सरकार द्वारा राज्य बजट में की गयी कुछ अनियमितताएं भी बतायी हैं। उनके अनुसार, मौजूदा एसकेएम सरकार अधिकतम खुदरा मूल्य के चार गुणा पर दवाइयां, चिकित्सा सहायता और अन्य अस्पताल उपकरण खरीद रही है। इसके कारण जहां एक ओर हमारे सरकारी अस्पतालों में दवाओं की पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो पा रही है, वहीं दूसरी ओर इसमें शामिल आपूर्तिकर्ता और एसकेएम नेता मालामाल हो रहे हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि सरकारी भवन निर्माण में भी व्यापक अनियमितता है। उदाहरण के लिए सोरेंग जिला प्रशासन केंद्र (नया डीसी कार्यालय), पाकिम डीएसी और तादोंग में नए मिनी सचिवालय का निर्माण उनकी वास्तविक लागत से तीन-चार गुणा अधिक पर किया जा रहा है। इसके लिए एसडीएफ सरकार द्वारा पहले से स्वीकृत भवनों की निर्माण लागत को संशोधित कर दिया गया है।

पवन चामलिंग ने आगे कहा कि एसकेएम सरकार ने निजी भागीदारों के लाभ एवं उन्हें भारी आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) की शुरुआत की है। इसके तहत ओल्ड वेस्ट प्वाइंट में एक फाइव स्टार होटल के निर्माण के लिए 140 करोड़, भालेढुंगा परियोजना हेतु 54 करोड़ और गेजिंग-पेलिंग रोपवे के लिए 68 करोड़ रुपए की सभी ठेकेदारी निजी भागीदारों को दी गयी है। इसके अलावा राज्य सरकार सरकारी निर्माण परियोजनाओं के लिए घटिया सामग्री भी खरीद रही है। लोग अगर इन सामग्रियों को ध्यान से देखें तो वे स्वयं इन बातों का पता लगा सकते हैं।

पवन चामलिंग ने इसे गम्भीर मामला बताते हुए कहा कि सरकार जहां सामग्री के लिए चार गुणा अधिक कीमत चुका रही है, वहीं वह सामान घटिया भी है। ऐसे में आने वाले कई वर्षों तक सिक्किम को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) पर अपनी पार्टी के कुछ लोगों में अवैध रूप से पैसे बांटने का आरोप लगाते हुए पवन चामलिंग ने कहा कि अपनी कुर्सी बचाने के लिए मुख्यमंत्री जनता के पैसे की बंदरबांट कर रहे हैं। यह सिक्किम के लोगों की संपत्ति है जो यहां के विकास के लिए है। ऐसे में उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि सिक्किम का पैसा कहां जा रहा है? साथ ही उन्होंने बताया कि इस पैसे का एक बड़ा हिस्सा सिलीगुड़ी और अन्य दूसरी जगहों पर जमीन और बिल्डिंगों में लगाया जा रहा है। स्थिति यह है कि आज

मुख्यमंत्री के कई करीबी लोग बीएमडब्ल्यू में घूम रहे हैं, वहीं राज्य के आमलोग उच्च मुद्रास्फीति, खराब सड़कों, खराब बिजली आपूर्ति, बढ़ती बेरोजगारी, घटती क्रय शक्ति, खराब स्वास्थ्य परिसेवा और अन्य समस्याओं से जूझ रहे हैं।

बच्चे ही कल का भविष्य है : सीएम

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 13 नवम्बर । बाल दिवस एवं स्वाधीन भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन के मौके पर सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने सभी को बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। अपने बधाई संदेश में उन्होंने कहा कि आज के बच्चे ही कल के भारत का निर्माण करेंगे। हम आज उन्हें जिस प्रकार की परवरिश देंगे, उसी प्रकार देश का भविष्य निर्धारित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दिन बाल अधिकारों, उनकी शिक्षा और हितों पर विचार करने का दिन है। वे कल के निर्माता एवं निर्धारणकर्ता हैं और उनका व्यक्तित्व तथा विचार आने वाले समय में देश का भविष्य निर्धारित करेंगे। इसलिए हमें उनके

मार्गदर्शन तथा उनकी ऊर्जा का संरक्षण करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, मैं आश्वासन देता हूं कि हमारी सरकार सभी बच्चों की सहायता करते हुए उनकी प्रगति हेतु उन्हें हर सम्भव मदद प्रदान करेगी।

सीएम ने इस विशेष दिन पर बच्चों को प्रगति एवं समृद्धि के रास्तें पर आगे बढ़ने एवं अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की कामना की।

बच्चे देश की अमूल्य संपत्ति होने के साथ-साथ भविष्य के मूल स्तंभ हैं : राज्यपाल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 13 नवम्बर । बाल दिवस के अवसर पर सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने सिक्किमवासियों विशेषकर बच्चों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दी।

राज्यपाल ने अपने सन्देश में कहा कि पंडित नेहरू की जयंती के अवसर पर उन्हें नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि बच्चे देश की अमूल्य सम्पति होने के साथ-साथ भारत के स्वर्णिम भविष्य के मूल स्तम्भ हैं।

इस विशेष अवसर पर मैं सिक्किम के बच्चों को हरेक चुनौतियों का सामना करते हुए राज्य को आगे ले जाने की बड़ी जिम्मेदारी के लिए खुद को तैयार करने साथ ही वैश्विक प्रतिस्पर्धा में खुद को ढालने का आग्रह करता हूं। जिससे सिक्किम एक अनुकरणीय राज्य बन सके और औरों के मध्य एक उदाहरण पेश कर सके। इसके साथ ही मैं बच्चों से यह भी आग्रह करता हूँ कि वे अपनी पढ़ाई के साथ-साथ बेहतर जीवन शैली अपनाते हुए लगातार खुद को बेहतर बनाने के लिए काम करें।

उन्होंने कहा कि हम सभी को इस दिशा में अपनी जिम्मेदारियों एवं कर्तव्यों का पालन करते हुए बच्चों की शिक्षा एवं उन्हें शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक मूल्यों से

सशक्त बनाये। जिससे सशक्त राष्ट्र का निर्माण हो सकेगा।

जनता ने फिर से परिवर्तन का मन बना लिया है : गणेश राई

21 से शुरु होगा 'सिक्किम सुधार यात्रा'

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 13 नवम्बर । सिक्किम की 'रिफॉर्म कॉल' नामक समूह ने अपनी नई राजनीतिक पारी के तहत शीघ्र ही राज्य की राजनीति में एक नयी पार्टी के तौर पर खुल कर उतरने की घोषणा की है। गणेश राई के नेतृत्व वाले इस संगठन ने आगामी 21 नवम्बर से राज्यव्यापी 'सिक्किम सुधार यात्रा' शुरु करने और उस दौरान ही नई राजनीतिक पार्टी के तौर पर घोषणा की बात कही है। साथ ही संगठन नेता ने राज्य की मौजूदा एसकेएम सरकार पर अपने आज तक के कार्यकाल में एक भी कार्य नहीं करने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य की जनता ने मौजूदा सरकार को 2024 के चुनाव में दोबारा सत्ता में नहीं लाने का मन बना लिया है।

रिफॉर्म कॉल द्वारा आज देवराली के एक होटल में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में यह जानकारी दी गयी। इसके साथ ही संगठन के नेता ने हाल ही में संपन्न हुए पंचायत चुनाव पर प्रतिक्रिया देते हुए अपनी भविष्य की योजनाओं की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही एक नई राजनीतिक पार्टी का गठन कर सिक्किमवासियों के बीच पहुंचा जायेगा। हालांकि, उन्होंने निश्चित तौर पर यह स्पष्ट नहीं किया कि उनकी नई राजनीति पार्टी की घोषणा कब की जाएगी।

पत्रकार सम्मेलन में गणेश राई ने कहा कि अब राजनीति पार्टी के रूप में आगे आने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि समय आ गया है कि रिफॉर्म कॉल का प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन करने वाले भी खुलकर सबके सामने आएं। उन्होंने बताया कि सिक्किम सुधार यात्रा 21 नवम्बर से दक्षिण सिक्किम से शुरू की जाएगी और उस दौरान गांव-गांव में जाकर लोगों से मुलाकात की जायेगी और उनके विचार जाने जायेंगे।

इसके साथ ही राई ने एक नई राजनीतिक पार्टी शुरू करने की जरूरत को स्पष्ट करते हुए कहा वर्तमान राज्य सरकार अपने साढ़े तीन साल के कार्यकाल में राज्य में एक भी राजनीतिक मुद्दे को हल नहीं कर पायी है। अब राज्य सरकार के बाकी बचे पंद्रह महीनों में इन मुद्दों को पूरा कर पाने की सम्भावना भी नहीं है। इसके अलावा उन्होंने राज्य सरकार पर सिक्किम को खासकर आर्थिक रूप से गंभीर स्थिति में पहुंचाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि सिक्किम को मौजूदा स्थिति से निकालने हेतु आज एक मजबूत विकल्प की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने उनकी नई पार्टी को इसका विकल्प होने का दावा भी किया।

वहीं गणेश राई ने हाल ही में सम्पन्न हुए पंचायत चुनाव के स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं होने का आरोप भी लगाया उन्होंने कहा कि पंचायत चुनावों को निर्दलीय घोषित किए जाने के बावजूद चुनावों में सत्ता पक्ष का व्यापक हस्तक्षेप था। इस चुनाव को लेकर राज्य सरकार की कथनी और करनी में अंतर देखा गया है। इसके अलावा उन्होंने मुख्यमंत्री पर इन चुनावों में एसकेएम पार्टी समर्थित उम्मीदवारों को पैसे देने का आरोप भी लगाया।

बिहार में भारत जोड़ो यात्रा 28 दिसम्बर से शुरु, नीतीश को भी न्योता

पटना, 13 नवम्बर (का.सं.)। कांग्रेस बिहार में भी भारत जोड़ो यात्रा शुरू करेगी। बांका के मंदार पर्वत से 28 दिसम्बर को शुरू होने वाली यह यात्रा 1023 किलोमीटर के सफर के बाद बोधगया में समाप्त होगी। इस यात्रा के क्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित पार्टी के कई वरिष्ठ राष्ट्रीय नेता भी शामिल हो सकते हैं। रविवार को बिहार दौरे पर आए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश और दिग्विजय सिंह ने इसकी घोषणा की।

रविवार को सदाकत आश्रम में दोनों नेताओं ने बिहार भर के कांग्रेसी नेताओं के साथ मंथन किया। बैठक के बाद जयराम रमेश ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा कश्मीर से कन्याकुमारी तक चल रही है। अब तक पांच राज्यों से होकर गुजरी यह यात्रा 55 फीसदी पूरी हो चुकी है। अभी महाराष्ट्र में यात्रा जारी है। लेकिन जिन राज्यों से यह यात्रा नहीं गुजरेगी, वैसे राज्य में प्रदेश इकाई की ओर से भारत जोड़ो यात्रा निकालने का निर्णय लिया गया है। ओड़िशा, असम, त्रिपुरा के बाद बिहार में 28 दिसम्बर से यह यात्रा 17 जिलों से होकर गुजरेगी। बाकी 21 जिलों में भी अलग से भारत जोड़ो यात्रा निकलेगी और लोग मूल यात्रा में शामिल होंगे। यात्रा अधिकतम 60 दिनों तक चलेगी। इसमें मूल यात्री 100 लोग होंगे जो बांका से बोधगया तक चलेंगे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का सीधा असर प्रधानमंत्री पर हो रहा है। नितिन गडकरी, बाबा रामदेव, सुमित्रा महाजन जैसे लोग इसकी तारीफ कर चुके हैं। इसका मकसद चुनाव जितना नहीं बल्कि कांग्रेस संगठन को मजबूत करना है। साथ ही, यह मोदी सरकार की नीति व नीयत से देश पर कुप्रभाव के विरोध में भी है। राहुल गांधी के बिहार आने के सवाल पर जयराम रमेश ने कहा कि अगर मूल भारत जोड़ो यात्रा समाप्त हो जाएगी तो बिहार में चलने वाली यात्रा में वे शामिल हो सकते हैं। कहा कि कांग्रेस मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव से भी इस यात्रा में शामिल होने का अनुरोध करेगी। दोनों नेताओं ने जगजीवन राम अध्ययन एवं शोध अध्ययन संस्थान में समाज के प्रबुद्धजनों के साथ भारत जोड़ो यात्रा पर मंथन किया।

बांका-भागलपुर-नवगछिया-खगड़िया-बेगूसराय-समस्तीपुर-दरभंगा-मधुबनी-सीतामढ़ी-शिवहर-मुजफ्फरपुर-वैशाली-पटना-आरा-बक्सर-कैमूर-सासाराम-औरंगाबाद-गया-बोधगया। इससे पहले पटना हवाईअड्डे पर (शेष पृष्ठ ०३ पर)

आज से तीन दिवसीय इंडोनेशिया की यात्रा पर रवाना होंगे पीएम मोदी

जी-20 समेत कई कार्यक्रमों में करेंगे शिरकत

नई दिल्ली, 13 नवम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाली में जी-20 शिखर सम्मेलन के तीन प्रमुख सत्र● खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल परिवर्तन और स्वास्थ्य● में भाग लेंगे। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर सोमवार को इंडोनेशियाई शहर बाली के लिए रवाना होंगे, जहां यूक्रेन संघर्ष और इसके प्रभावों सहित वैश्विक चुनौतियों पर व्यापक विचार-विमर्श होने की उम्मीद है।

क्वात्रा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी और अन्य नेता वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, पर्यावरण, डिजिटल परिवर्तन जैसे मुद्दों पर चर्चा करेंगे। शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग भी हिस्सा लेंगे। क्वात्रा ने कहा कि मोदी जी-20 के कुछ नेताओं के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो के निमंत्रण पर शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। इंडोनेशिया जी-20 का वर्तमान अध्यक्ष है। भारत एक दिसंबर से औपचारिक रूप से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा। जी-20 या 20 देशों का समूह दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर सरकारी मंच है।

समूह में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) शामिल हैं। जी-20 अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का प्रमुख मंच है, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 85 प्रतिशत, वैश्विक व्यापार का 75 प्रतिशत से अधिक और विश्व की लगभग दो-तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। भारत वर्तमान में जी-20 ट्रोइका (जी-20 की वर्तमान, पिछली और आगामी अध्यक्षता) का हिस्सा है, जिसमें इंडोनेशिया, इटली और भारत शामिल हैं।

काशी विश्वनाथ धाम से पकड़े गए तीन संदिग्ध, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट, पूछताछ जारी

वाराणसी, 13 नवम्बर (एजेन्सी)। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम गेट नंबर चार से रविवार की शाम आरती के समय तीन संदिग्ध परिसर में प्रवेश कर गए। इसमें दो युवक दूसरे समुदाय के हैं। आंतरिक सुरक्षा ड्यूटी में लगे सीआरपीएफ दरोगा ने तीनों को पूर्वी द्वार से पकड़ा। पुलिस के अनुसार तीनों के कब्जे से किसी तरह का कोई प्रतिबंधित सामान या अन्य कुछ ऐसी वस्तु नहीं मिली। फिलहाल चौक थाने में तीनों से आईबी समेत अन्य सुरक्षा एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं।

तीनों युवक झारखंड के गिरीडीह के रहने वाले हैं। शाम के समय गेट नंबर चार से दर्शनार्थी प्रवेश कर रहे थे। इस दौरान झारखंड के गिरीडीह निवासी तीनों युवक भी गेट नंबर चार से प्रवेश कर पूर्वी द्वार की तरफ बढ़ गए। सुरक्षा में तैनात सीआरपीएफ के एक दरोगा को तीनों युवकों पर शंका हुई तो रोक लिया।

तीनों से नाम पता पूछा तो दो युवकों ने अपने को दूसरे समुदाय का बताया। तीनों एक ही गांव के रहने वाले हैं और दोस्त के संग दर्शन को चले आए। गैर समुदाय के दो युवकों के प्रवेश पर सुरक्षा तंत्रों में हलचल मच गई और तीनों को गेट नंबर चार के पास ही बैठा लिया गया।

उच्चाधिकारियों को घटना से अवगत कराते हुए तीनों युवकों को चौक पुलिस ने हिरासत में लिया। एसीपी दशाश्वमेध अवधेश पांडेय ने बताया कि तीनों से पूछताछ की गई, इनके पास से कुछ बरामद नहीं हुआ। आईबी ने भी पूछताछ की है। फिलहाल उन्हें थाने पर बैठाया गया है।

गैर समुदाय के दो युवकों के श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में प्रवेश को लेकर एलआईयू, आईबी समेत अन्य एजेंसियां अलर्ट मोड में हैं। शाम से लेकर देर रात तक युवकों से पूछताछ हुई। झारखंड के गिरीडीह थाने से भी युवकों के बारे में पुलिस तस्दीक कराएगी। चौक पुलिस के अनुसार हिरासत में लिए गए युवकों से हुई पूछताछ में मालूम चला कि तीनों को अजमेर शरीफ जाना था।

शाम को कैंट स्टेशन से उनकी ट्रेन थी। झारखंड से ट्रेन पकड़ने वाराणसी आए तो घाट और काशी विश्वनाथ धाम घूमने की लालसा में मंदिर तक आ गए। अपने दोस्त के संग गैर समुदाय के दो युवक भी कॉरिडोर में प्रवेश कर गए। गेट नंबर चार से बाएं होते हुए चौक की तरफ जा रहे थे। तभी सुरक्षा में लगे सीआरपीएफ के एक दरोगा ने तीनों को देखा। शक होने पर रोक लिया गया। पुलिस के अनुसार युवकों के पास से कोई संदिग्ध या प्रतिबंधित वस्तु नहीं मिली। मोबाइल को कब्जे में लेकर खंगाला गया। आईबी अधिकारियों ने भी पूछताछ की।

दिल्ली में आज से चला सकेंगे बीएस-4 डीजल और बीएस-3 पेट्रोल वाहन

राजेश अलख

नई दिल्ली, 13 नवम्बर। दिल्ली में लोग सोमवार यानी 14 नवंबर से बीएस-4 डीजल और बीएस-3 पेट्रोल वाहनों को चला सकेंगे। समाचार एजेंसी एएनआई ने एक अधिकारी के हवाले से बताया है कि एयर क्वालिटी इंडेक्स में कोई बड़ा उलटफेर नहीं नजर आने के चलते राज्य सरकार प्रतिबंधों को लेकर कोई बड़ा कदम नहीं उठा रही है।

मालूम हो कि प्रदूषण स्तर में बढ़ोतरी के चलते वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के निर्देश पर दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी में बीएस-4 डीजल और बीएस-3 पेट्रोल वाहनों के परिवहन पर रोक लगा दी थी।

रिपोर्ट के मुताबिक बीएस-तीन पेट्रोल और बीएस-चार डीजल चालित चार पहिया वाहनों के मालिक अब दिल्ली की सड़कों पर अपने वाहन संभवत: चला सकेंगे, क्योंकि इन पर लगाए गए प्रतिबंध रविवार को समाप्त हो गए।

दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि यह तय करने के लिए सोमवार को एक बैठक होगी कि प्रतिबंध जारी रहना चाहिए या नहीं। प्रतिबंध 13 नवंबर तक लागू थे और उन्हें अभी तक बढ़ाया नहीं गया है। शहर में पिछले चार दिन में एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) स्थिर रहा है। कल एक बैठक है जिसमें चर्चा की जाएगी कि आगे क्या किया जाना चाहिए।

दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से हवा की गुणवत्ता का स्तर स्थिर है। चूंकि इन प्रतिबंधों के संबंध में कोई नया आदेश जारी नहीं किया गया है, इसलिए सोमवार से यह प्रभावी नहीं होगा। अधिकारी ने बताया कि सरकार स्थिति की निगरानी कर रही है। यदि हवा की गुणवत्ता में गिरावट आती है, तो हम स्थिति की समीक्षा करके उचित फैसला लेंगे।

इस बीच दिल्ली की वायु गुणवत्ता रविवार को सुधरकर शाम को फिर 'खराब' श्रेणी में पहुंच गई। एक दिन पहले भी यह 'बहुत खराब' श्रेणी में थी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार सुबह नौ बजे दिल्ली का एक्यूआई 295 दर्ज किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में कुल 37 में से 21 निगरानी स्टेशनों में एक्यूआई 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया। आनंद विहार में 342, आरके पुरम में 328, एनएसआईटी द्वारका में 399, शादीपुर में 346 और जहांगीरपुरी में 326 एक्यूआई दर्ज किया गया।

दिल्ली का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शुक्रवार को 346 था जो शनिवार को सुधरकर 303 रहा। बता दें कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 और 200 के बीच 'मध्यम', 201 और 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बहुत खराब' माना जाता है। 401 और 500 के बीच एक्यूआई को 'गंभीर' श्रेणी में मानते हैं। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिन के दौरान मुख्य रूप से आसमान साफ रहने का अनुमान है।

गुजरात चुनाव में बीजेपी को सबक सिखाएगी जनता : अशोक गहलोत

जयपुर, 13 नवम्बर (एजेन्सी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को कहा कि गुजरात में सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ व्यापक सत्ता-विरोधी लहर है और लोग इस विधानसभा चुनाव में उन्हें सबक सिखाएंगे। गुजरात में दो चरणों में एक दिसंबर और पांच दिसंबर को मतदान होना है। गहलोत ने यहां राजस्थान डिजिफेस्ट 2022 से इतर संवाददाताओं से कहा कि महंगाई, बढ़ती बेरोजगारी और खराब बुनियादी ढांचा गुजरात में चिंता का विषय है और वहां के लोग इन्हीं मुद्दों पर मतदान करेंगे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा, एक जमाने में सड़कें अच्छी थीं, अब नहीं हैं। छात्रों को न तो नौकरी मिल रही है और न ही उन्हें रोजगार के अवसर दिये जा रहे हैं। भले ही उन्हें नौकरी मिल जाए, उनका वेतन कम है। कर्मचारी नाखुश हैं। गुजरात में लोगों में बहुत डर है।

गहलोत ने कहा, आने वाले चुनावों में लोग उन्हें (भाजपा को) सबक सिखाएंगे। राज्य में सत्ता-विरोधी लहर चल रही है, जिसका असर इस चुनाव के नतीजों में देखने को मिलेगा। गुजरात विधानसभा चुनाव में 24 वर्षों से राज्य में सत्ता पर काबिज भाजपा, विपक्षी कांग्रेस और अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) के बीच त्रिकोणीय मुकाबला देखा जा रहा है।

गुजरात चुनावों के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के वरिष्ठ पर्यवेक्षक गहलोत ने कहा कि राज्य के लोग बेरोजगारी और बढ़ती मुद्रास्फीति से तंग आ चुके हैं।' उन्होंने कहा, कोई गुजरात मॉडल नहीं है। वह मोदी का मॉडल था, जो अब पूरी तरह से बेनकाब हो गया है। लोग समझ गए हैं कि रोजगार की समस्या भयानक है और राज्य में महंगाई है।

गहलोत ने हिमाचल प्रदेश में भी कांग्रेस की सत्ता में वापसी पर विश्वास जताया। पहाड़ी राज्य में शनिवार को मतदान हुआ था। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) हिमाचल प्रदेश में एक प्रमुख मुद्दे के रूप में उभरी है और सत्ता में आने पर इसे वापस लाने के कांग्रेस के आश्वासन ने मतदाताओं को प्रभावित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा, यह योजना राज्य के कार्यकर्ताओं के बीच प्रमुख मुद्दों में से एक बन गई है। कांग्रेस हिमाचल प्रदेश चुनाव जीतेगी और इसके पीछे सबसे बड़ा कारण ओपीएस होगा।

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के बारे में गहलोत ने कहा कि इस पहल का मुख्य केंद्रबिंदु महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को उजागर करना और यह सुनिश्चित करना है कि देश में कोई हिंसा न हो और लोग एक-दूसरे के साथ प्यार, शांति और सद्भाव से रहें। उन्होंने कहा, राहुल गांधी का ध्यान इस बात को सुनिश्चित करने पर है कि देश संविधान के अनुसार चले। हालांकि, उन्होंने (भाजपा) संविधान का उल्लंघन किया है। पत्रकारों, लेखकों या साहित्यकारों को जेल में डाल दिया गया है। गहलोत ने अपने पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट और राजस्थान के मुख्यमंत्री पद के अपने दावे से संबंधित सवालों के जवाब देने से इनकार कर दिया।

एक ही दिन में एयरपोर्ट पर 61 किलो सोना बरामद, अब तक की सबसे बड़ी जब्ती

मुंबई, 13 नवम्बर (एजेन्सी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम अधिकारियों ने एक दिन में सबसे ज्यादा सोना जब्त करने का रिकॉर्ड बनाया है। यहां रविवार को दो अलग-अलग ऑपरेशन्स में 61 किलो सोना बरामद किया गया जिसकी कीमत 32 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस मामले में कम से कम सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिनमें पांच पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं।

मुंबई के कस्टम अधिकारियों ने कहा कि यह एक दिन में होने वाली सबसे बड़ी जब्ती है। पहले ऑपरेशन में तंजानिया से लौटने वाले कुछ भारतीयों के पास से 1-1 किलो की सोने की ईंटें बरामद हुईं। उसने अपने शरीर पर ए बेल्ट बांध रखी थी और उसमें कई पॉकेट लगी थीं। इसी में 53 किलो सोने की ईंटें छिपाकर रखी थीं।

अधिकारियों ने यूएई की बनी 53 किलो सोने की ईंटें बरामदकी हैं। यह बेल्ट दोहा में एक सूडानी नागरिक ने उसे दी थी। एयरपोर्ट पर ट्रांजिट के समय चुपके से उसे यह बेल्ट दे दी गई थी। चार लोगों को इस मामले में गिरफ्तार किया गया और कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। इस सोने की कीमत 28 करोड़ रुपये के लगभग बताई गई है।

इसी तरह दुबई से आने वाले तीन लोगों के पास से 8 किलो सोना बरामद किया गया जिसकी कीमत 3.88 करोड़ रुपये बरामद किया गया। इनमें तीन महिलाएं भी शामिल थीं। वे वैक्स के रूप में सोना लाए थे। इस सोने के कमर के पास छिपाया गया था। इसमें से एक महिला ऐसी भी थी जिसकी उम्र 60 साल के आसपास थी। वह व्हीलचेयर पर थी। इन तीनों को भी गिरफ्तार करके हिरासत में भेज दिया गया है।

अपना राजनीतिक भविष्य बचाने के लिए शिवपाल को तय करनी होगी सपा की हार : जयवीर सिंह

लखनऊ, 13 नवम्बर (एजेन्सी)। मैनपुरी से भाजपा विधायक और उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि मुलायम सिंह यादव और उनकी पुत्रवधू डिंपल यादव के सियासी कद में जमीन आसमान का अंतर है और दावा किया कि 5 दिसंबर को सपा के गढ़ मैनपुरी सीट पर होने वाले उपचुनाव में कमल खिलेगा'। समाजवादी पार्टी (सपा) ने पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को मैनपुरी संसदीय सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है। यह सीट पार्टी क्षत्रप मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद खाली हुई थी।

जानकारी मुताबिक जयवीर सिंह ने न्यूज एजेंसी के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि यदि शिवपाल यादव को अपना राजनीतिक भविष्य बचाना है, तो उन्हें सपा की हार सुनिश्चित करनी होगी, अन्यथा उनका राजनीतिक रूप से अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। सिंह ने कहा कि डिंपल राजनीतिक कद के लिहाज से मुलायम सिंह के आसपास कहीं नहीं ठहरतीं। उनके बीच जमीन- आसमान का अंतर है। उत्तर प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि मुलायम सिंह के नेतृत्व में सपा जमीन पर दिखाई पड़ती थी, जबकि वर्तमान में (अखिलेश यादव के नेतृत्व में) यह एसी कमरों से ट्विटर पर चलती है। यह पूछे जाने पर कि भाजपा से मैनपुरी में सपा उम्मीदवार को कौन चुनौती देगा, उन्होंने किसी का नाम लेने से इनकार किया और कहा कि कमल का निशान (भाजपा का चुनाव चिन्ह) वहां चुनाव लड़ेगा और उप चुनाव जीतेगा। आजमगढ़ और रामपुर के बाद मैनपुरी में कमल खिलेगा और यह 2024 लोकसभा के लिए आधार तैयार करेगा।

आपको बता दें कि मुलायम सिंह यादव ने 1996 के बाद से 5 बार इस सीट का प्रतिनिधित्व किया है, जबकि सपा के अन्य उम्मीदवारों ने भी इस सीट पर कई बार जीत हासिल की है। मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व वाली सपा की तुलना वर्तमान सपा से करते हुए उन्होंने कहा कि पहले यह पार्टी जमीन पर दिखाई पड़ती थी, लेकिन अखिलेश यादव के नेतृत्व में यह वातानुकूलित कमरों से सिर्फ ट्विटर पर चलती है। उन्होंने कहा कि वह शिवपाल सिंह यादव को सपा परिवार का हिस्सा मानकर देख रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) अध्यक्ष शिवपाल यादव को अपना राजनीतिक भविष्य बचाना है तो उन्हें सपा की हार सुनिश्चित करनी होगी। मैनपुरी संसदीय उप चुनाव में शिवपाल यादव की भूमिका पर राजनीतिक विशेषज्ञों की पैनी नजर है। शिवपाल यादव ने कहा है कि वह मैनपुरी लोकसभा उप चुनाव पर अगले दो-तीन दिनों में निर्णय करेंगे।

यह पूछे जाने पर कि क्या डिंपल अपने ससुर (मुलायम सिंह यादव) के निधन के बाद उपचुनावों में सहानुभूति वोट हासिल करेंगी, सिंह ने नकारात्मक जवाब दिया। सिंह अतीत में मुलायम सिंह यादव की सरकार में मंत्री रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि धर्म और जाति से ऊपर उठकर लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति उनकी नीतियों और योजनाओं को लेकर आकर्षित हो रहे हैं और वे सभी बाधाओं को तोड़कर भाजपा के पक्ष में मतदान करेंगे। मंत्री ने दावा किया कि भले ही सपा के नेता यादव परिवार में एकता की तस्वीर दिखा रहे हैं, परिवार में खींचतान जारी है। उन्होंने दावा किया कि धर्मेंद्र यादव मैनपुरी से टिकट मांग रहे थे तो शिवपाल यादव टिकट के लिए दबाव बना रहे थे। वहीं तेज प्रताप यादव भी यह उप चुनाव लड़ना चाहते थे। डिंपल यादव को टिकट देने के पीछे यह बात सुनिश्चित करना है कि परिवार में कोई विवाद ना हो। लेकिन परिवार में खींचतान जारी है।

जयवीर सिंह ने कहा कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले मुलायम सिंह यादव की जीत का अंतर लाखों में था, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में जीत का अंतर हजारों में आ गया जबकि भाजपा से कोई दिग्गज नेता चुनाव प्रचार के लिए मैनपुरी नहीं आया था।

पीएसपीएल प्रमुख के सवाल पर भाजपा नेता ने आगे कहा कि अगर वह (शिवपाल) हमारे साथ आते हैं, तो हमारी जीत का अंतर निश्चित रूप से बड़ा होगा, और अगर हमारे पक्ष में नहीं आए तो भी हम जीतेंगे। शिवपाल का जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र मैनपुरी संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है। यह पूछे जाने पर कि क्या अपर्णा यादव को उपचुनाव के लिए भाजपा का टिकट दिया जाएगा, उत्तर प्रदेश के मंत्री ने कहा कि यह पार्टी द्वारा तय किया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश में दिग्गजों की सीटों पर बंपर वोटिंग ने बढ़ाई बेचैनी

शिमला, 13 नवम्बर (एजेन्सी)। हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव में इस बार पिछले चुनाव से ज्यादा वोटिंग हुई है। राज्य निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक राज्य में 75.60 फीसदी से अधिक मतदान हुआ है। राज्य की छह सीटें ऐसी हैं जहां पर वोटरों ने 80 प्रतिशत से अधिक वोटिंग की है। बंपर वोटिंग वाली सीटों पर हिमाचल की सियासत के कई दिग्गज शामिल हैं। भाजपा और कांग्रेस के करीब एक दर्जन दिग्गज नेताओं की सीटों पर 75 प्रतिशत से अधिक वोटिंग हुई है। इस बंपर वोटिंग से दिग्गजों की बेचैनी बढ़ गई है।

दरअसल, ज्यादा मतदान को सत्ताधारी विधायक के खिलाफ जनाक्रोश माना जाता है। निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं, तो पातें हैं कि मंडी जिला के सिराज में 82.10 प्रतिशत वोटिंग हुई है। यहां से भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्य के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर चुनाव लड़ रहे हैं।

जयराम ठाकुर कैबिनेट के दो मंत्रियों गोविंद ठाकुर के मनाली हल्के में 79 प्रतिशत और राजीव सहजल के हल्के कसौली में 78.28 प्रतिशत वोट पड़े हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व स्पीकर एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव बिंदल के नाहन हल्के में 81.45 प्रतिशत और विधानसभा उपाध्यक्ष हंसराज के हल्के चुराह में 78.29 प्रतिशत वोटिंग हुई है, जिससे दिग्गजों की धड़कने बढ़ सकती हैं।

कांग्रेस के कदावर नेताओं की बात करें तो नेता प्रतिपक्ष मुकेश अग्निहोत्री के हल्के हरोली में 78 प्रतिशत, आशा कुमारी के डल्हौजी हल्के में 75 प्रतिशत, रामलाल ठाकुर के हल्के नैनादेवी में 82.10 प्रतिशत, हर्षवर्धन चौहान के हल्के शिलाई में 84.1 प्रतिशत वोट पड़े हैं। इसके अलावा ऊना सदर में 77 प्रतिशत वोटिंग हुई है। यहां से कांग्रेस के सतपाल रायजादा और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतपाल सिंह सत्ती चुनाव मैदान में हैं।

कांग्रेस प्रचार कमेटी के अध्यक्ष सुखविंदर सिंह सुक्खू के नादौन हल्के में 73 फीसद वोटिंग हुई है। उनका मुकाबला भाजपा के विजय अग्निहोत्री से है। मंडी जिला की नाचन सीट पर 79 फीसदी मत पड़े हैं। इस सीट पर भाजपा के दो बार के विधायक बिनोद कुमार फिर चुनाव मैदान में हैं, तो कांग्रेस ने नए चेहरे को उतारा है। इस सीट पर भाजपा के बागी ज्ञान चंद भी चुनाव लड़ रहे हैं।

कांग्रेस से भाजपा में आये लखविंदर राणा के हल्के नालागढ़ में 81.49 प्रतिशत, भाजपा विधायक परमजीत पम्मी के हल्के दून में सर्वाधिक 85.25 प्रतिशत वोटिंग हुई है। मालूम हो कि सूबे में शनिवार की सुबह आठ बजे धीमी गति से मतदान शुरू हुआ, लेकिन दिन चढ़ने और सूरज की गर्मी से कड़ाके की ठंड कम होने के साथ ही मतदान ने गति पकड़ी।

आप के सीएम फेस इसुदान गढ़वी खंभालिया से लड़ेंगे चुनाव

अहमदाबाद, 13 नवम्बर (एजेन्सी)। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) के सीएम फेस इसुदान गढ़वी खंभालिया सीट से चुनाव लड़ेंगे। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को ट्वीट कर के यह घोषणा की है। केजरीवाल ने अपने ट्वीट में कहा है कि 'किसान, बेरोजगार युवाओं, महिलाओं, व्यापारी के लिए सालों तक आवाज उठाने वाले इसुदान गढ़वी जामखंभालिया से चुनाव लड़ेंगे। भगवान कृष्ण की पावन भूमि से गुजरात को एक नया और अच्छा मुख्यमंत्री मिलेगा।'

अरविंद केजरीवाल के ट्वीट का जवाब देते हुए इसुदान गढ़वी ने ट्वीट किया कि 'आपने और गुजरात के लोगों ने मुझ पर विश्वास जताया है, मैं विश्वास दिलाता हूं कि मैं अपनी आखिरी सांस तक गुजरात के लोगों की सेवा करूंगा। जय जय गरवी गुजरात।'

बता दें कि इसुदान गढ़वी राजनीति में आने से पहले एक टीवी पत्रकार थे। आम आदमी पार्टी ने गुजरात के सीएम फेस के लिए एक सर्वे कराया था। उस सर्वे में राज्य के लोगों ने सबसे अधिक वोट गढ़वी को ही दिया था। गढ़वी के बाद लोगों ने गोपाल इटालिया को सीएम फेस के लिए पसंद किया था।

आम आदमी पार्टी के सीएम फेस के सर्वे में इसुदान गढ़वी को कुल 73 प्रतिशतलोगों ने वोट दिया था। गुजरात विधानसभा चुनाव में वोटिंग दो चरणों में होगी। वोटिंग 1 और 5 दिसंबर को होगी। पहले चरण में कुल 88 सीटों पर वोटिंग होगी। खंभालिया सीट पर वोटिंग पहले चरण में ही होगी। यानी इस सीट के लोग 1 दिसंबर को वोटिंग करेंगे। वोटों की गिनती 8 दिसंबर को होगी।

गुजरात में आम आदमी पार्टी के प्रेसिडेंट गोपाल इटालिया ने ट्वीट कर कहा कि 'बड़े भाई इसुदान जी को खंभालिया से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी बनने पर बहुत बहुत बधाई। खंभालिया की जनता गुजरात का अगला मुख्यमंत्री बनाएगी ऐसे भरोसे के साथ इसुदान भाई को एडवांस अभिनंदन।' बता दें कि गोपाल इटालिया आप के सीएम फेस के सर्वे में लोगों की दूसरी पसंद थे।

जेल में मिलने आई थीं प्रियंका, पिता राजीव गांधी की हत्या को लेकर पूछे सवाल और रो पड़ीं: नलिनी

नई दिल्ली, 13 नवम्बर (एजेन्सी)। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के मामले में रिहा हुई दोषियों में से एक नलिनी श्रीहरन ने रविवार को कुछ अहम खुलासे किया। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी ने उनसे वर्ष 2008 में जेल में मुलाकात करने आई थीं। इस दौरान उन्होंने अपने पिता राजीव गांधी की हत्या के बारे में पूछा। नलिनी ने मुलाकात के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि प्रियंका गांधी जब एक दशक पहले वेल्लोर केंद्रीय कारागार में उनसे मिलीं तो वे भावुक हो गईं और रो पड़ीं।

प्रियंका गांधी ने नलिनी से मुलाकात के दौरान अपने पिता की हत्या के बारे में जानना चाहा था। नलिनी ने कहा कि वह जो कुछ भी जानती थी, उसके बारे में उन्हें बता दिया। उसने कहा कि मुलाकात में हुई अन्य बातों का खुलासा नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह प्रियंका के निजी विचारों से संबंधित है। नलिनी को 12 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद रिहा कर दिया गया था।

जेल से रिहा होने के बाद रविचंद्रन ने कहा कि उत्तर भारतीयों को उन्हें आतंकी के बजाय पीड़ित समझना चाहिए। हालांकि आने वाला समय उन्हें जरूर समझेगा। उधर, तमिलनाडु के वेल्लोर में जेल से रिहा होने के बाद नलिनी से जब पूछा गया कि वो सोनिया गांधी से मिलेंगी? इस पर नलिनी पहले तो सकपका गईं फिर तपाक से उत्तर दिया- हे भगवान, प्लीज नहीं।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरम्बुदूर में चुनावी रैली के दौरान एक महिला आत्मघाती हमलावर ने हत्या कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने राजीव गांधी हत्याकांड में करीब तीन दशक से उम्रकैद की सजा काट रही नलिनी श्रीहरन और पांच अन्य शेष दोषियों को समय से पहले रिहा करने का निर्देश दिया। श्रीहरन, संतन, रॉबर्ट और जयकुमार श्रीलंकाई नागरिक हैं जबकि नलिनी और रविचंद्रन तमिलनाडु से ताल्लुक रखते हैं।

लाई डिटेक्टर टेस्ट से अपनी 'ईमानदारी' साबित करें केजरीवाल : पूनावाला

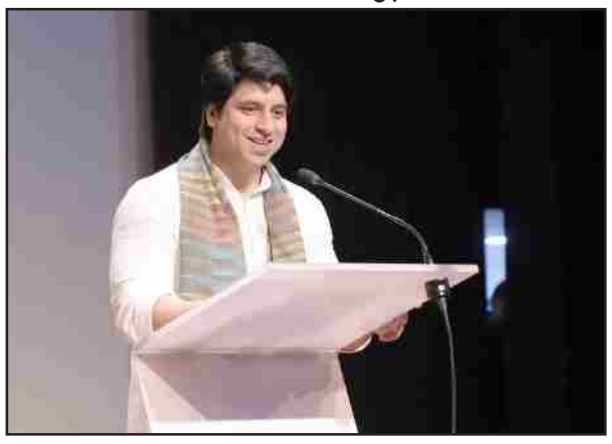

राजेश अलख

नई दिल्ली, 13 नवम्बर । आबकारी नीति को लेकर बीजेपी और आप आमने-सामने हैं। दोनों ही पार्टियों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला बोलते हुए बीजेपी ने उन्हें लाई डिटेक्टर टेस्ट से गुजरने की चुनौती दी है। पार्टी का कहना है कि इस टेस्ट के जरिए उन्हें अपनी ईमानदारी साबित करनी चाहिए। इससे पहले महाठग सुकेश चंद्रशेखर भी यह मांग उठा चुका है।

रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कथित घोटालों के मुद्दे पर केजरीवाल पर निशाना साधा और कहा कि सीएम द्वारा निर्देशित 'लुटेरा' फिल्म पिछले आठ सालों से दिल्ली में चल रही है। पूनावाला की टिप्पणी सीएम के यह कहने के एक दिन बाद आई है कि बीजेपी को चंद्रशेखर को अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाना चाहिए क्योंकि वह पार्टी की जैसी भाषा बोल रहा है।

पूनावाला ने कहा, 'केजरीवाल के पास लाइव टेलीकास्ट में अपने मंत्रियों सत्येंद्र जैन और कैलाश गहलोत के साथ लाई डिटेक्टर टेस्ट कराने और चंद्रशेखर के दावों को गलत साबित करने का अच्छा मौका है।' बता दें कि जेल में बंद सुकेश ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना को कई पत्र लिखे हैं। जिसमें आप नेताओं पर उगाही के कई आरोप लगाए हैं। उसका कहना है कि वह केजरीवाल और उनके मंत्रियों के साथ लाई डिटेक्टर टेस्ट करवाने के लिए तैयार है।

पूनावाला ने कहा कि केजरीवाल लाई डिटेक्टर टेस्ट के जरिए अपनी ईमानदारी साबित कर सकते हैं लेकिन वह ऐसा नहीं करेंगे। वह 'शराब घोटाले' में प्राथमिकी रद्द करने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटा सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। बीजेपी नेता ने दावा किया कि केजरीवाल सरकार की वापस ली गई आबकारी नीति 2021-22 से सरकारी खजाने को 1800 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

उन्होंने कहा, 'आप ने नीति को लेकर भ्रष्टाचार पर बीजेपी के सवालों का कभी जवाब नहीं दिया। नई नीति से 7.5 महीने में सरकार को 1800 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।' केजरीवाल लोगों को यह बताने में भी विफल रहे हैं कि उन्होंने आबकारी नीति 2021-22 को वापस क्यों लिया। नीति में कथित अनियमितताओं की वर्तमान में सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जांच की जा रही है।

देश के पहले प्राइवेट रॉकेट की लॉन्चिंग टली, खराब मौसम बना वजह

नई दिल्ली, 13 नवम्बर (एजेन्सी)। हैदराबाद स्थित अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने रविवार को कहा कि खराब मौसम की वजह से भारत के पहले निजी तौर पर विकसित रॉकेट विक्रम-एस का उप-कक्षीय प्रक्षेपण तीन दिनों के लिए (18 नवंबर तक) स्थगित हो गया है। स्काईरूट एयरोस्पेस के प्रवक्ता ने कहा, ''खराब मौसम के पूर्वानुमान के कारण, हमें श्रीहरिकोटा से हमारे विक्रम-एस रॉकेट प्रक्षेपण के लिए 15-19 नवंबर तक एक नयी विंडो दी गई है, जिसकी सबसे संभावित तारीख 18 नवंबर को सुबह 11:30 बजे है। प्रक्षेपण के लिए पहले 15 नवंबर की तारीख निर्धारित की गयी थी।

स्काईरूट एयरोस्पेस का 'प्रारम्भ' नामक पहला मिशन दो भारतीय और एक विदेशी ग्राहकों के अंतरिक्ष उपकरण (पेलोड) को ले जाएगा और श्रीहरिकोटा में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रक्षेपण स्थल से प्रक्षेपण को तैयार है। इस मिशन को स्काईरूट के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जाता है, क्योंकि यह उन 80 प्रतिशत तकनीकों को मान्यता दिलाने में मदद करेगा, जिनका उपयोग विक्रम-1 कक्षीय वाहन में किया जाएगा, जिसे अगले साल प्रक्षेपित करने की योजना है। स्काईरूट के एक प्रवक्ता ने कहा, ''जिस प्रमुख क्षेत्र की हम बारीकी से निगरानी करेंगे, वह हमारे ठोस ईंधन वाले रॉकेट इंजन 'कलाम -1' का प्रदर्शन होगा।''

चेन्नई स्थित एयरोस्पेस स्टार्टअप 'स्पेसकिड्ज' भारत, अमेरिका, सिंगापुर और इंडोनेशिया के छात्रों द्वारा विकसित 2.5 किलोग्राम पेलोड 'फन-सैट' प्रक्षेपित करेगा। इस मिशन के साथ स्काईरूट अंतरिक्ष में रॉकेट प्रक्षेपित करने वाली भारत की पहली निजी अंतरिक्ष कंपनी बनने को तैयार है। इससे अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत होगी। निजी क्षेत्र की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए इसे 2020 में खोला गया था। स्काईरूट के प्रक्षेपण वाहनों को भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के संस्थापक और प्रसिद्ध वैज्ञानिक विक्रम साराभाई को श्रद्धांजलि के तौर पर 'विक्रम' नाम दिया गया है।

राजस्थान बीजेपी की 26 नवम्बर से जनाक्रोश यात्राएं, जयपुर से होगा आगाज

जयपुर, 13 नवम्बर (एजेन्सी)। राजस्थान बीजेपी 26 नवम्बर से प्रदेशभर में जनाक्रोश यात्राएं निकालेगी। जयपुर से यात्राओं का आगाज शुरू होगा। झुंझनूं में आयोजित प्रदेश भाजपा की कार्यसमिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। कार्यसमिति की बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने यात्राओं का प्रारूप रखा। सभी को यात्राओं का रोडमैप बनाना है। अलग अलग स्थानों पर कम से कम 8 से 10 चौपाल और इतना ही वेलकम पॉइन्ट होंगे। प्रत्येक विधानसभा में 100 से ज्यादा चौपाल और इतने ही स्वागत होंगे। कार्यक्रम के अनुसार रोजाना डेढ़ सौ से 200 किलोमीटर की यात्राएं करनी हैं। 1 से 10 या 12 दिसम्बर तक चौपाल चलेंगी। महिलाओं एससी और युवाओं पर फोकस रखना है। करीब 3 लाख कार्यकर्ताओं को प्रत्यक्ष जोड़ा जाएगा। इस पूरे अभियान का गीत और वीडियो लान्च किया जाएगा। जनता के लिए मिस कॉल नंबर भी जारी होंगे। जिसके जरिये जनता से जुड़ाव हो सके। कार्यसमिति की बैठक में पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, कैलाश चौधरी, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया और संगठन महामंत्री चंद्रशेखर मौजूद रहे।

झुंझुनूं में आयोजित की गई भाजपा प्रदेश कार्यसमिति में आज 13 नवंबर को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने अपने अध्यक्षीय उदबोधन में संबोधित करते हुए कहा कि 2023 में हमेशा के लिए राजस्थान में भाजपा की विजय का आगाज कार्यकर्ताओं के परिश्रम से होगा, क्योंकि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता एक योद्धा बनकर प्रदेश की अराजक कांग्रेस सरकार से लड़ रहा है। इस संघर्ष में मैं निमित्त और कारक बनकर भाजपा की विजयश्री का एक छोटा सा कण बनु यही मेरी आकांक्षा है। किसानों के कर्जे की माफी की, कमजोर हो चुकी कानून-व्यवस्था की, बेतहाशा बढ़ रही बेरोजगारी की, निरंकुश हो चुके भ्रष्टाचार की? महिलाएं असुरक्षित हैं, वंचित जन बेबस हैं।

कांग्रेस सरकार ने जितने बड़े उद्घोष के साथ योजनाएं लागू कीं, उससे भी बड़े स्वार्थ के साथ भ्रष्टाचार किया। इन्होंने मुख्यमंत्री चिरंजीवी बीमा योजना में भ्रष्टाचार किया, मिड-डे मील योजना में भ्रष्टाचार किया, आंगनबाड़ियों के पोषाहार में योजना में भ्रष्टाचार किया। सड़क, नगर, ग्राम, जल, जीवन, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा सबमें कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार के कारोबार में संलग्न हो गई है। राज्य वर्तमान कांग्रेस सत्ता अपने ही अंतर्विरोधों में डूबी हुई है। वह आकंठ भ्रष्टाचार में आबद्ध है, वह अंतर्कलह से ग्रस्त है। प्रदेश ने ऐसा दुर्बल नेतृत्व कभी नहीं देखा, जिसके हर एक अंग अब उस ढंग से काम करने में निरत हैं कि जाते-जाते जो भी मिल सके, वह ले जा सके।

नौसेना के जवान ने किया सुसाइड, ड्यूटी के दौरान सर्विस राइफल ने खुद को मारी गोली

मुंबई, 13 नवम्बर (एजेन्सी)। भारतीय नौसेना के 25 वर्ष के एक जवान ने मुंबई बंदरगाह पर अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। नेवी ऑफिसर ने बताया कि यह घटना शनिवार दोपहर नौसैनिक युद्धपोत पर हुई और नौसेना ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। अधिकारी ने कहा, 'नाविक जहाज पर एक कमरे में गया और कथित तौर पर खुद को गोली मार ली। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।'

अधिकारी ने बताया कि आत्महत्या के पीछे का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चला है। पुलिस को संदेह है कि नाविक ने कुछ घरेलू मुद्दों के कारण यह कदम उठाया होगा। उन्होंने कहा कि दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है। संपर्क करने पर, नौसेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

गौरतलब है कि नौसेना का एक 22 वर्षीय कर्मचारी उरण से बीते गुरुवार को लापता हो गया, जो पड़ोसी जिले रायगढ़ में आईएनएस अभिमन्यु बेस कैंप में रसोइए के तौर पर काम कर रहा था। पुलिस ने अधिकारी ने बताया कि कर्मचारी की पहचान विशाल महेशकुमार के रूप में की गई है, जो 3 नवंबर की सुबह तैरने के लिए उरण स्थित अपने घर से निकला था। उन्होंने कहा कि जब विशाल घर नहीं लौटा, तो उसके अभिभावक उरण पुलिस थाने पहुंचे और उसके लापता होने की प्राथमिकी दर्ज कराई।

अधिकारी ने कहा कि प्राथमिकी के आधार पर तलाशी अभियान शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान पता चला कि 3 नवंबर को विशाल सुबह 10 से 11 बजे के बीच उरण में स्वीमिंग पूल परिसर में था। उसने वहां से अपनी मां को फोन किया था और उससे बात भी की थी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज और विशाल के मोबाइल टॉवर की लोकेशन के अनुसार उसे आखिरी बार पनवेल रेलवे स्टेशन पर देखा गया था, जो कि उरण से 25 किमी दूर है।

दुष्कर्मी को 'संस्कारी ब्राह्मण' कहने वाले को भाजपा ने दिया टिकट, महुआ बोलीं- यह है गुजरात मॉडल

नई दिल्ली, 13 नवम्बर (एजेन्सी)। गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। गोधरा से भाजपा ने चंद्रसिंह राउलजी को फिर से उम्मीदवार घोषित किया है। वह इस सीट से लगातार छह बार से जीतते आ रहे हैं। राउलजी, बिलिकिस बानों के दोषियों की रिहाई का फैसला करने वाले पैनल का भी हिस्सा थे। ऐसे में इसको लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं।

पश्चिम बंगाल की सांसद व टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा ने चंद्रसिंह राउलजी को दोबारा टिकट देने पर भाजपा पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि यह गुजरात मॉडल है, जहां दुष्कर्मियों और हत्यारों को 'संस्कारी' कहने वालों को टिकट दिया जाता है। जहां नफरत और हत्या बढ़ाने वाले को इनाम दिया जाता है। बता दें, महुआ मोइत्रा उन याचिकाकर्ताओं में हैं, जिन्होंने बिलिकिस बानों मामले के दोषियों की रिहाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

बिलिकिस बानो के दुष्कर्म व हत्या के मामले में 11 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। बीते 15 अगस्त को राज्य सरकार द्वारा केंद्र की मंजूरी पर उन्हें जेल में अच्छे व्यवहार के चलते 15 साल बाद रिहा कर दिया गया था। इन 11 लोगों की रिहाई का फैसला करने वाले पैनल में गोधरा विधायक व पूर्व मंत्री चंद्रसिंह राउलजी भी शामिल थे। एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने बिलिकिस बानों के दुष्कर्मियों व हत्यारों को संस्कारी ब्राह्मण कहकर संबोधित किया था, जिसके बाद बवाल मच गया था।

2017 में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले चंद्रसिंह राउलजी ने कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो गए थे। उन्हें भाजपा के टिकट से जीत भी मिली थी। इससे पहले 2007 और 2012 में कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में भी वह इस सीट से जीते थे। वह इस सीट से लगातार छह बार से जीत हासिल करते आ रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस छोड़ने के बाद पिछले विधानसभा चुनावों में जीत का अंतर 300 से भी कम रह गया था।

बिहार में भारत जोड़ो .....

दोनों नेताओं का स्वागत किया गया। मौके पर बिहार कांग्रेस प्रभारी भक्त चरण दास, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ मदन मोहन झा, सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह, विधायक दल के नेता अजीत शर्मा, पूर्व मंत्री अवधेश कुमार सिंह, राजेश राठौड़, कपिलदेव प्रसाद यादव, अमरेन्द्र सिंह, मुन्ना शाही सहित दर्जनों कांग्रेस नेता मौजूद थे।

स्टार्टअप के लिए हर कैंपस बने 'इंक्यूबेटर', उद्यमिता को बढ़ावा देने की जरुरत : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 13 नवम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि सभी संस्थानों के परिसरों को स्टार्टअप फर्मों के लिए 'इनक्यूबेटर' बनना चाहिए। इनक्यूबेटर वह संगठन हैं जो इनोवेशन और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए काम करते हैं।

उन्होंने राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएफटी), भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी), भारतीय पैकेजिंग संस्थान (आईआईपी), राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी), फुटवियर डिजाइन और विकास संस्थान (एफडीडीआई) जैसे संस्थानों के प्रमुखों के साथ बैठक की। इस दौरान मंत्री ने संस्थानों से इस बात का आत्मनिरीक्षण करने के लिए कहा कि क्या उनकी शिक्षा कल की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार की है।

मंत्री ने आगे कहा, हमें भारत की फैशन तकनीक को दुनिया के विकसित बाजारों में ले जाने की कोशिश करनी चाहिए। गोयल ने यह भी कहा कि हमारे संकाय (फैकल्टी) आधार का विस्तार करने के लिए भारी निवेश की आवश्यकता है। वाणिज्य मंत्री ने एक बयान में कहा कि देश के डिजाइन के प्रतिष्ठित संस्थानों को अपने छात्रों की संख्या में कम से कम दस गुना इजाफा करना चाहिए।

बयान में कहा गया कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, कपड़ा मंत्रालय के तहत काम करने वाले इन पांचों प्रतिष्ठित संस्थानों से आपस में सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया गया ताकि वे एक साथ मिलकर काम कर सकें। सुधार व विकास के लिए तालमेल बढ़ा सकें।

उन्होंने संस्थानों से विलय पर विचार करने को कहा ताकि संसाधनों का प्रभावी इस्तेमाल किया जा सके। गोयल ने संस्थानों से पूर्व छात्रों पर केंद्रित नेटवर्क बनाने को भी कहा।

उन्होंने कहा कि पूर्व छात्रों में अल्मा मेटर के विकास में योगदान करने की अपार क्षमता है।

वाणिज्य मंत्री ने आगे कहा, शैक्षिक और व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों को न केवल शहरों में बल्कि पूरे देश में मानव संसाधनोंके विकास पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कोई भी बच्चा पीछे नहीं छूटना चाहिए। उन्होंने संस्थानों से छात्रवृत्ति कार्यक्रम भी शुरू करने को कहा।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR DAMODAR MORNING
SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:102 DrawDate on:13/11/22
1st Prize ₹1 Crore/- 59J 08887
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 08887 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
12211 27190 29780 30857 37481 37807 38020 47043 52593 63210
3rd Prize ₹450/-
1419 2277 3729 4145 4485 4803 5765 6608 6632 9663
4th Prize ₹250/-
0548 3834 3938 4123 4376 6112 6703 7081 7346 7551
5th Prize ₹120/-
0038 0053 0073 0093 0197 0380 0478 0572 0618 0621
0698 0792 0879 0977 1056 1268 1423 1639 1730 2039
2194 2270 2314 2323 2328 2399 2419 2473 2738 2882
3318 3324 3393 3549 3680 3800 3808 3981 4082 4112
4130 4156 4168 4282 4285 4303 4476 4500 4530 4668
4774 4867 4906 4995 5000 5445 5552 5614 5783 5958
6151 6248 6436 6457 6510 6540 6607 6637 6650 6769
6994 7016 7155 7380 7565 7668 7673 7706 7885 8003
8311 8342 8401 8548 8606 8634 8730 8863 8893 9035
9092 9130 9283 9433 9633 9718 9771 9801 9832 9926
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR JUPITER SUNDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:102 DrawDate on:13/11/22
1st Prize ₹1 Crore/- 87E 30951
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 30951 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
06241 16935 21353 30575 33748 35716 36614 70707 78931 90498
3rd Prize ₹450/-
1209 1617 4473 5090 5156 7871 8056 8309 8648 9761
4th Prize ₹250/-
0605 1131 1854 3326 4158 4693 5177 7417 8425 8616
5th Prize ₹120/-
0108 0210 0255 0292 0363 0823 1219 1232 1240 1306
1356 1558 1728 1812 1850 1958 1968 2087 2113 2149
2156 2388 2800 2869 2935 3035 3043 3145 3161 3299
3360 3675 3716 3762 3778 3820 3826 3909 4260 4465
4478 4599 4649 4904 4940 4979 5201 5224 5319 5649
5659 5667 5743 5795 5936 5938 6211 6277 6285 6326
6337 6354 6384 6473 6602 6684 6819 6863 6867 6967
6971 7083 7291 7489 7808 7975 8077 8136 8273 8387
8410 8525 8621 8805 8826 8954 8970 9042 9047 9074
9146 9270 9352 9410 9516 9677 9903 9945 9948 9962
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR HAWK EVENING
SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:202 DrawDate on:13/11/22
1st Prize ₹1 Crore/- 38E 28285
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 28285 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
09403 29989 43043 60013 65916 76729 77446 79887 90322 97089
3rd Prize ₹450/-
1582 1982 2823 2838 4681 4863 5200 6241 7333 9583
4th Prize ₹250/-
0482 0647 0723 1248 2299 3291 4698 5634 6758 8024
5th Prize ₹120/-
0017 0053 0056 0135 0353 0418 0626 0777 0831 0869
0987 1206 1223 1244 1332 1344 1367 1388 1501 1525
1532 1674 1700 1722 1735 1755 1781 1947 1970 2002
2281 2381 2642 3012 3053 3065 3236 3421 3581 3585
3589 3706 3934 4142 4149 4217 4248 4331 4488 4542
4580 4841 5083 5161 5323 5437 5509 5666 5712 5730
5762 6219 6325 6538 6602 6603 6753 6794 6901 7052
7603 7806 7978 8087 8202 8207 8242 8279 8287 8289
8300 8560 8693 8699 8738 8943 9076 9152 9202 9480
9491 9518 9549 9562 9609 9690 9727 9755 9944 9949
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

उदारता से न्याय

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या में शामिल छह अपराधियों को तीस साल से ज्यादा जेल में रखने के बाद अंततः रिहा कर दिया गया है। रिहाई की कवायद लंबे समय से चल रही थी, क्योंकि तमिल राजनीति में भी रिहाई के पक्ष में कमोबेश माहौल लगातार बना हुआ था। अपराधी भी वर्षों से सजा भुगतने के बाद लगातार माफी मांगते आ रहे थे। खास बात यह है कि इन अपराधियों ने जेल में अपनी जिंदगी को बिगड़ने नहीं दिया, बल्कि सकारात्मक रूप से अपने विकास में लगे रहे। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी उनसे मिले थे, माफी के पक्ष में अपनी भावना प्रकट की थी। जघन्य अपराध के बावजूद अनुकूलता ऐसे बनी कि सर्वोच्च न्यायालय ने भी उम्रकैद की सजा काट रहे नलिनी श्रीहरन और आर पी रविचंद्रन समेत छह दोषियों को रिहा करने का आदेश सुना दिया। तमिलनाडु सरकार ने भी अपनी ओर से कोई देरी नहीं की। बड़ी राहत मिलने के बाद जेल से बाहर आते ही नलिनी श्रीहरन ने कहा, मैं जानती हूं, मैं आतंकवादी नहीं हूं।

इस रिहाई के बाद लोगों की पुरानी यादें ताजा हो आईं। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरुंबदूर में एक चुनावी सभा के दौरान हत्या कर दी गई थी। लोकप्रिय प्रधानमंत्री रह चुके राजीव गांधी की हत्या के लिए धनु नाम की आत्मघाती हमलावर का इस्तेमाल किया गया था। विस्फोट में राजीव गांधी समेत 15 लोगों की जान गई थी। उस घटना ने देश को रुला दिया था, लेकिन वक्त ऐसा मरहम है कि बहुत गहरे घावों को भी भर जाता है। इस हमले की जांच के बाद सात लोगों को दोषी पाया गया था। जिसमें एक पेरारिवलन को मौत की सजा सुनाई गई थी, लेकिन मई महीने में सुप्रीम कोर्ट ने उसकी रिहाई के आदेश दिए थे। इसके बाद बाकी दोषियों की रिहाई की बुनियाद मजबूत हुई थी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने स्पष्ट कर दिया कि एक साजायाफ्ता पेरारिवलन के मामले में किया गया फैसला बाकी दोषियों पर भी लागू होता है। संविधान के अनुच्छेद-142 के तहत शक्ति का इस्तेमाल करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला पूरी तरह से विधिसम्मत ही नहीं, बल्कि उदार न्याय व्यवस्था का एक नया अध्याय बन गया है।

यह फैसला एक तरह से प्रयोग भी है। जो लोग अच्छे आचरण के आधार पर छूटे हैं, उन्हें आगे भी अपने आचरण को भारतीय कानून-व्यवस्था के अनुरूप रखना होगा। यह भारतीय व्यवस्था की उदारता है कि बहुत जघन्य अपराध में शामिल दोषियों को भी रिहा कर दिया गया है। बाकी देशों में भी लोग भारत में हुए इस फैसले पर गौर करेंगे। आमतौर पर जहां ऐसे जघन्य अपराध होते हैं, वहां दोषियों को आजीवन जेल से बाहर नहीं आने दिया जाता है। बहरहाल, यह भी गौर किया गया होगा कि तमिल आतंकी संगठन लिट्टे भी अपनी जमीन से उखड़ चुका है। लिट्टे अगर आज सक्रिय रहता, तो शायद भारत में यह रिहाई मुमकिन नहीं होती। लिट्टे निरपराध लोगों का खून नहीं बहा रहा है, इसलिए नलिनी इत्यादि के प्रति सहानुभूति को जगह मिल गई है। हालांकि, अदालतों को सावधान रहना होगा कि यह फैसला अपवाद ही रहे, नजीर न बन जाए। किसी भी पूर्व अपराधी को जेल से छोड़ते समय यह आश्वासन सोलह आना जरूरी है कि अपराध को फिर दोहराया नहीं जाएगा और न समाज के लिए संकट पैदा किया जाएगा। न्याय उदारता से हो, पर उदारता का कभी दुरुपयोग न हो।

आरक्षण की नई व्यवस्था से आर्थिक न्याय को मिलेगी गति

पी. चिदंबरम

इस कॉलम का विषय कानून, राजनीति, समानता की धारणा और सामाजिक न्याय के विचारों के मिलन बिंदु पर है। मैं इस बारे में बहुत अच्छी तरह जानता हूं कि समकालीन भारत में सामाजिक न्याय क्या है और उसके आगे का रास्ता क्या है। मुझे इस बारे में भी जानकारी है कि भारतीय समाज में कितनी असमानता है और समाज में समानता लाने के लिए कौन-कौन से सौ कदम उठाए जाने की जरूरत है। अगर हम सामाजिक न्याय और समानता की बात करें, तो कभी सामाजिक न्याय बाधित होता है, तो कभी समानता का उद्देश्य पूरा नहीं होता।

कानून विधानसभाओं में बनते हैं, जहां राजनेता ही होते हैं। कानून को नियंत्रित और लागू करने का काम न्यायाधीशों का है, जिनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं। शासकों को न्यायाधीशों से डरना ही चाहिए, लेकिन न्यायाधीशों को शासकों से नहीं डरना चाहिए। कानून और राजनीति अगर टकराएं, तो उसका नतीजा ही इस बारे में ठीक-ठीक बता सकता है कि कोई देश कानून से शासित होता है या नहीं।

विगत सात नवंबर को एक एनजीओ जनहित अभियान पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला इसका सटीक उदाहरण है कि कानून, राजनीति, सामाजिक न्याय और समानता के विचार जब एक साथ टकराते हैं, तो कैसी दुविधा उपस्थित होती है। शीर्ष अदालत का फैसला उन तमाम याचिकाओं की सुनवाई के बाद आया था, जिनमें संविधान के 103वें संशोधन-या ईडब्ल्यूएस आरक्षण मामले को चुनौती दी गई थी। ईडब्ल्यूएस का मतलब है आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग। यहां मैं उन्हें गरीब ही कहूंगा। मैं इस कॉलम में अदालत के फैसले पर टिप्पणी करने के बजाय मुद्दों पर बात करूंगा और पाठकों से अपना पक्ष तय करने के लिए कहूंगा।

शिक्षा संस्थानों और सरकारी रोजगार में आज कई तरह के आरक्षण हैं। ये आरक्षण 'सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों' के लिए यानी अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजातियों (एसटी) और दूसरे पिछड़े वर्गों (ओबीसी) के लिए हैं। इन वर्गों के लोगों के सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने के ऐतिहासिक और अकाट्य कारण हैं। आरक्षण को 'सकारात्मक कार्रवाई' का औजार माना गया है और एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण को वैधता और मंजूरी मिली हुई है।

ऐसी धारणा है कि आरक्षण की व्यवस्था से समाज के उस वर्ग में क्षोभ है, जो एससी, एसटी और ओबीसी नहीं हैं और जिसे आरक्षण का लाभ नहीं मिलता। चूंकि इस वर्ग के गरीब भी शिक्षा और रोजगार के क्षेत्रों में ऐसी ही समस्याओं का सामना करते हैं, ऐसे में, यह विचार आया कि क्या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए भी आरक्षण की व्यवस्था की जा सकती है? धारणागत रूप से यह विचार अच्छा था, पर इसमें कई तरह की बाधाएं थीं।

जैसे कि क्या ये गरीब सामाजिक और शैक्षिक रूप से भी पिछड़े हैं, जिसे कि संविधान ने आरक्षण का लाभ देने की एकमात्र कसौटी माना है? आर्थिक न्याय के लक्ष्य के लिए गरीबों को आरक्षण देना क्या संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन है? फिर चूंकि अदालत ने यह तय कर रखा है कि कुल आरक्षण 50 फीसदी से अधिक नहीं होना चाहिए, ऐसे में, आर्थिक रूप से गरीबों के लिए 10 फीसदी का आरक्षण क्या 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन नहीं होगा?

'बुनियादी ढांचे' के सिद्धांत और 'आरक्षण पर 50 फीसदी की सीलिंग' को संविधान की व्याख्या के न्यायिक आलोक में देखा जा सकता है। एक बार जजों ने जब जजों द्वारा बनाए गए उस कानून के अवरोध से बाहर निकलने का फैसला किया, तब आगे का रास्ता बिल्कुल स्पष्ट था। सभी पांचों सम्माननीय न्यायाधीश इस पर सहमत थे कि आर्थिक न्याय वस्तुतः सामाजिक न्याय के समान ही है, और कमजोर आर्थिक आधार पर आरक्षण का लाभ देने से संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं होता।

वे इस पर भी सहमत थे कि आर्थिक आधार पर आरक्षण की नई श्रेणी बनाने से अगर 50 फीसदी आरक्षण की सीलिंग का उल्लंघन होता है, तो वह असांविधानिक नहीं है। वे सभी आर्थिक आधार पर आरक्षण देने के फैसले से सहमत हुए और इस पर भी कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण 10 फीसदी होगा। फैसले के इस अंश की आलोचना ज्यादा नहीं हुई। जिस मुद्दे ने निर्णय को विभाजित किया, वह यह था कि इस आरक्षण में एससी, एसटी और ओबीसी के गरीबों को शामिल किया जाएगा या नहीं।

पोषण, लालन-पालन और शुरुआती शिक्षा में कमी का मुख्य कारण गरीबी है। ये कमियां वंचित वर्ग के युवाओं की शिक्षा और रोजगार तक पहुंच को सीमित कर देती हैं या रोक देती हैं। सवाल यह है कि गरीब कौन है। 103 वें संविधान संशोधन ने यह जिम्मेदारी राज्यों पर डाल दी है कि वे 'पारिवारिक आय और आर्थिक कमियों के दूसरे संकेतकों' के आधार पर गरीबों की शिनाख्त करें। जिन दो न्यायाधीशों ने आर्थिक आधार पर आरक्षण देने का विरोध किया, उन्होंने अपनी टिप्पणी में सिन्हो कमीशन (जुलाई, 2010) का हवाला दिया है, जिसका निष्कर्ष था कि 31.7 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) हैं। इनमें से अनुसूचित जाति की आबादी 7.74 करोड़, अनुसूचित जनजाति की आबादी 4.25करोड़ और अन्य पिछड़े वर्ग की आबादी 13.86 करोड़ थी। यह कुल मिलाकर 25.85 करोड़ थी, जो बीपीएल आबादी का 81.5 फीसदी थी। तब से बीपीएल आबादी की आबादी में कोई खास बदलाव नहीं आया है।

महत्वपूर्ण सवाल यह है कि अनुच्छेद 15(6) और 16(6), जो आरक्षण की नई व्यवस्था से एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों के गरीबों को बाहर कर देता है, क्या सांविधानिक रूप से सही है। इस मुद्दे पर सम्माननीय न्यायाधीशों के विचार विभाजित थे, और उन्होंने 3:2 से फैसला दिया। न्यायमूर्ति रविंद्र भट्ट की असहमत टिप्पणी बेहद प्रभावशाली थी, जिससे प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति ललित सहमत थे। उनके ये शब्द सर्वोच्च न्यायालय के अदालत कक्षों में आने वाले अनेक वर्षों तक गूंजते रहेंगे कि 'हमारा संविधान किसी को बाहर करने की भाषा में बात नहीं करता।' दिग्गज अमेरिकी न्यायमूर्ति चार्ल्स इवांस ह्यूजेस के शब्दों को उधार लेकर कहूं, तो मेरे विचार से न्यायिक असहमति वस्तुतः 'भविष्य के किसी एक दिन के लिए की गई अपील है, जब कोई न्यायिक निर्णय संभवतः मौजूदा खामी को दुरुस्त कर दे।'

इस आधार पर जो निष्कर्ष बनता है, वह यह है : गरीबों के लिए आरक्षण की नई व्यवस्था से आर्थिक न्याय को गति मिलेगी। लेकिन एससी, एसटी और ओबीसी के गरीबों को इस आरक्षण से बाहर रखने का (जो कुल गरीबों का लगभग 81.5 फीसदी हैं) फैसला निर्धनों से भी निर्धनतम को समानता और न्याय से वंचित करेगा।

पुस्तकालय नजरअंदाज तो कैसे हो शिक्षित समाज का विकास

डॉ. प्रितम भी. गेडाम

जगत में पुस्तकालय पाठकों के लिए ज्ञान रूपी सागर है, आज पुस्तकालय बिना शिक्षा और सभ्य समाज की कल्पना हो ही नहीं सकती है। पुस्तकालय का हम सभी के जीवन में अमूल्य योगदान है। जीवन के हर मोड़ पर, हर मुश्किल में पुस्तकें मनुष्य का साथ सच्चे मित्र की भांति निभाते है, यह तब भी हमारे साथ होते है जब कोई हमारा साथ नहीं देता है। जिसने जीवन में पुस्तकालय के मोल को नहीं समझा, समझो कि उसने बेहतर जीवन ही नहीं जिया है। पुस्तकालय पाठकों के जीवन को सरल, सुगम, उज्ज्वल और प्रगति पथ पर अग्रसर होने के लिए सतत प्रेरित करके बेहतर मार्ग प्रशस्त करते है। दुनिया भर में पुस्तकालयों का जाल फैला हुआ है, पुस्तकालयों के विकास के लिए सबसे आवश्यक तज्ञ कर्मचारी वर्ग, योग्य पाठ्य सामग्री और पर्याप्त निधि के साथ उत्कृष्ट व्यवस्थापन होता है। विकसित पुस्तकालय ही बेहतर सेवाएं पाठकों तक पहुंचा कर देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते है। पुस्तकालय तो शिक्षा केंद्र के मुख्य ज्ञान के स्रोत के रूप में जाने जाते है। देश में हर साल 14 – 20 नवंबर को 'राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह' बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। आज अत्याधुनिक पुस्तकालय हमारे मोबाइल में समाहित हो चुके है, एक क्लिक पर हमे दुनिया भर के पुस्तकालय में सहज पहुंच मिलती है।

देश में पुस्तकालयों की स्थिति की वास्तविकता :- विदेशों की भांति हमारे देश में भी पुस्तकालयों की तस्वीर काफी बदली है। देश के आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे शिक्षा संस्थानों के पुस्तकालय विश्वस्तरीय नजर आते है। बहुत से निजी शिक्षा संस्थान भी पुस्तकालयों के विकास पर विशेष ध्यान देते है। आज के युग में पैसे को अधिक महत्त्व दिया जाता है एव पुस्तकालय धनोपार्जन का केंद्र नहीं है, इसलिए शायद इसके महत्त्व को कमतर आंका जाता है। आज देश में बड़ी मात्रा में अनेक पुस्तकालय अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे है। आर्थिक तंगी और कुशल कर्मचारियों की कमी से पुस्तकालय नाममात्र रह गए है। कई पुस्तकालय में सेवाओं के रूप में सिर्फ कुछ अखबार पढ़ने मिलते है, तो कई पुस्तकालयों में बेहतर रखरखाव की कमी के कारण बहुमूल्य पाठ्य साहित्य भंडार खराब हो रहे है। कई पुस्तकालयों की इमारत जीर्ण अवस्था से खंडहर बन चुकी है, तो कई पुस्तकालय तज्ञ कर्मचारियों की कमी के चलते बदहाल पड़ी है। कई पुस्तकालयों में कुर्सी, मेज, अलमारी, खिड़की, दरवाजे तक टूटे हुए अवस्था में नजर आते है। कई पुस्तकालयों की दीवारों में दरारे पड़ी है, तो कई पुस्तकालय में बारिश में छत से पानी टपकता है। कुशल कर्मचारियों की कमी पुस्तकालय को दिशाहीन बना रही है, कई बड़े-बड़े पुस्तकालय चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के भरोसे ही चल रहे है। अनेक राज्यों के सार्वजनिक पुस्तकालय, शाला-महाविद्यालय, विश्वविद्यालय या अन्य सरकारी क्षेत्र के पुस्तकालयों में साल नहीं अपितु कई दशक गुजर चुके है तज्ञ कुशल कर्मचारियों की भर्ती हुए। ऐसा नहीं है कि जिम्मेदार विभाग या प्रशासन पुस्तकालयों का महत्व नहीं समझते, महत्व समझकर आश्वासन देते है कि निधि उपलब्धता और तज्ञ कर्मचारी भर्ती जल्द की जाएगी। दिन, महीने, साल गुजरते है, पुस्तकालयों की स्थिति बद से बदतर होती जाती है, कर्मचारी सेवानिवृत्त होते जाते है लेकिन नए कर्मचारियों की भर्ती नहीं होती। देश में पुस्तकालयों की ऐसी बदहाली में वहां के पाठकों की ज्ञानरूपी जिज्ञासा की तृष्णा कैसे शांत होगी? यह बहुत ही गंभीर प्रश्न है।

जीवन में पुस्तकालय की भूमिका अनमोल :- विश्व में वही देश विकसित हुए है जिन्होंने शिक्षा क्रांति के महत्व को समझकर पुस्तकालयों को उन्नत बनाया है, क्योंकि पुस्तकालय ही शिक्षा का आधार स्तम्भ होते है, समय की बचत करके मनुष्य को ज्ञानशाली बनाते है। विश्व के महानतम हस्तियों के साथी के रूप में पुस्तकें ही जानी जाती है। जिन्होंने पुस्तकों से दोस्ती की, वे जीवन में कभी अकेले नहीं होते। स्कूली शिक्षा के प्रथम चरण से जीवन के अंत तक पुस्तकालय मनुष्य को मार्गदर्शन करते है। जहां पर शिक्षक भी ज्ञान के लिए लालायित होता है वह केंद्र होता है पुस्तकालय। पुस्तकालय जो जीवन का अभिन्न भाग है, वही उपेक्षा का केंद्र बना बैठा है। देश के बहुत से राज्यों के सार्वजनिक व शैक्षिक पुस्तकालय में आधारभूत सुख-सुविधा भी नहीं है, इस कारण विद्यार्थियों के शैक्षणिक जीवन का बेहद नुकसान हो रहा है। जिस उम्र में बच्चे अपने जीवन को योग्य दिशा देने के लिए प्रयत्नशील होते है उसी पड़ाव पर वे पुस्तकालय के ज्ञानरूपी महत्वपूर्ण मार्गदर्शन से वंचित रह जाते है।

पुस्तकालयों को नजरअंदाज करना अर्थात सुशिक्षित समाज के विकास को रोकना :- सबसे महत्वपूर्ण बात पुस्तकालयों के प्रति नजरिया बदलना है। पुस्तकालयों में तज्ञ कर्मचारियों की भर्ती पर विशेष ध्यान देने की नितांत आवश्यकता है। जिम्मेदार अधिकारी विभाग, व्यवस्थापक और प्रशासन ने पुस्तकालय के सेवा-सुविधा व उसकी उपयोगिता को बनाये रखने पर जोर देना होगा। उचित बजट के अभाव में अनेक पुस्तकालय खत्म होने के कगार पर है, इसलिए पुस्तकालयों के उचित व्यवस्थापन और विकास हेतु योग्य निधि की उपलब्धता लगातार होनी चाहिए। देश के सभी तरह के स्थानीय प्रशासन, राज्य सरकार व केंद्र सरकार द्वारा संचालित सभी शैक्षणिक संस्थान स्कूल महाविद्यालय, ग्रांटेड सार्वजनिक व अन्य पुस्तकालयों में हर साल आवश्यकता अनुरूप कर्मचारी भर्ती होनी चाहिए। पुस्तकालय का स्तर और पाठकों के आवश्यकता अनुसार हर साल उचित पुस्तकालय साहित्य की खरीदी होनी चाहिए। हमारे यहां प्रत्येक जिले में विश्वस्तरीय अत्याधुनिक पुस्तकालयों का निर्माण आज समय की मांग है, देश की शिक्षा नीति को मजबूत करने के लिए पुस्तकालयों का विकास करना ही होगा। पुस्तकालयों को शिक्षित समाज में उचित स्थान देने के लिए सरकार को शिक्षा के साथ पुस्तकालय के विशेष बजट बनाने पर सोचना चाहिए। पुस्तकालयों का लाभ देश के हर गांव, कस्बे, वर्ग, प्रत्येक विद्यार्थी, किसान, गृहिणी, व्यवसायी, नौकरीपेशा, कर्मचारी और प्रत्येक नागरिक तक पहुंचना ही देश में विकास की सच्ची तस्वीर बयां करेगी।

भारत की ताकत का एहसास

आदित्य चोपड़ा

नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में भारत की छवि लगातार बदलती जा रही है। दुनिया को तो भारत की शक्ति का एहसास हो ही चुका है, साथ ही देशवासियों को भी भारतीय होने का गौरव महसूस होने लगा है। भारत एक दिसम्बर को इंडोनेशिया से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा। जी-20 का शिखर सम्मेलन 15-16 नवम्बर को इंडोनेशिया के बाली में किया जा रहा है। जी-20 यानि 20 देशों का समूह दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच है। प्रधानमंत्री ने आज भारत की जी-20 अध्यक्षता के लोगों, थीम और वेबसाइट का अनावरण कर दिया है। अध्यक्षता के दौरान भारत देशभर में 32 विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित लगभग 200 बैठकें आयोजित करेगा और अगले साल भारत अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगा। जी-20 अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का प्रमुख मंच है, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 85 फीसदी, वैश्विक बाजार का 75 फीसदी से अधिक और दुनिया की लगभग दो-तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व कर रहा है। आज पूरी दुनिया भारत के महत्व को समझती है। दुनिया जानती है कि भारत जो कहता है वह करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित बनाने का लक्ष्य रखा हुआ है। नरेन्द्र मोदी सरकार के अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर तेवर दुनिया देख रही है। इसकी वजह नीतियों में स्पष्टता और पारदर्शिता है। यही कारण है कि अब भारत में दुनिया के कई देश बेझिझक कारोबार के अवसर तलाश रहे हैं। भारत के सामने कई चुनौतियां हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते दुनियाभर में ऊर्जा और खाद्य संकट खड़ा हो चुका है। दुनिया के तमाम देशों पर मंदी का साया मंडरा रहा है। अमेरिका, ब्रिटेन और चीन भी हांफ रहे हैं। दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का भी यही हाल है। कारोबार और व्यापार की चुनौतियों के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन का संकट भी काफी बड़ा होता जा रहा है, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था पटरी पर है और पूरी दुनिया की निगाहें भारत पर लगी हुई हैं। दुनिया उम्मीद कर रही है कि अगर कोई देश उसे मंदी में जाने से बचा सकता है तो वह सिर्फ भारत ही है। भारत दुनिया की ग्रोथ का इंजन बनने की ताकत रखने लगा है। रूस-यूक्रेन युद्ध मसले पर भारत किसी भी खेमे में शामिल नहीं हुआ, बल्कि उसने अमेरिका के दबाव में आए बिना रूस से सस्ता तेल खरीदा क्योंकि भारत को अपनी जनता के हित पहले देखने हैं। अमेरिका और उसके मित्र देश रूस पर प्रतिबंधों का खामियाजा भुगत रहे हैं।

परम्परा रही है कि जी-20 की अध्यक्षता करने वाला देश सदस्यों के अलावा कुछ अतिथि देशों और अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों को समूह की बैठकों और शिखर सम्मेलन में आमंत्रित करता है। इसके तहत भारत अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के अलावा बांग्लादेश, मिस्र, मॉरीशस, नीदरलैंड, नाइजीरिया, ओमान, सिंगापुर, स्पेन और संयुक्त अरब अमीरात को अतिथि देशों के रूप में आमंत्रित करेगा। यानी वह अपने अंदाज में इसे आयोजित करेगा।

20-जी शिखर सम्मेलन की मेजबानी दुनिया में भारत के बढ़ते रुतबे की निशानी है। वह अपनी धमक से सबका ध्यान खींच रहा है। हाल ही में ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए उसने दुनिया की पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में जगह बना ली है। अब वह सिर्फ अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी से पीछे है। भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, 2029 तक वह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। 2027 तक उसके जर्मनी और 2029 तक जापान से आगे निकल जाने का अनुमान है।

एक तरफ भारत के सामने जी-20 के लक्ष्यों को हासिल करने की चुनौती होगी, तो दूसरी तरफ रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म कराने के लिए क्या पहल होगी? इस पर सभी की निगाहें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर टिकी हुई हैं। भारत शुरू से ही दोनों देशों से बातचीत के जरिये समाधान निकालने की पैरवी करता आया है। जी-20 के मुद्दों में समावेशी, न्यायसंगत और सत्तत विकास, पर्यावरण के लिए जीवन शैली, डिजिटल बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य एवं कृषि से जुड़े विषय शामिल हैं। इनके अलावा खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, हरित ऊर्जा, वाणिज्य कौशल की पहचान और आर्थिक अपराधों के खिलाफ लड़ाई शामिल है। भारत स्वच्छ ऊर्जा की ओर बहुत ध्यान दे रहा है। भारत उन देशों में है जो बहुत तेज गति से इलैक्ट्रिक वाहनों को अपना रहा है और इस दिशा में निवेश कर रहा है। भारत और फ्रांस के नेतृत्व में 100 से अधिक देशों का गठबंधन भी सक्रिय है। भारत और सऊदी अरब भी स्वच्छ ऊर्जा को लेकर सहयोग कर रहे हैं। आज दुनिया जिस ऊर्जा और पर्यावरण संकट से गुजर रही है, उसकी काट सिर्फ स्वच्छ ऊर्जा ही है। जी-20 के अलावा अगर हम ब्रिक्स की बात करें, तो पांच उभरती अर्थव्यवस्थाओं भारत, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील के नेतृत्व वाले इस संगठन ने दुनिया में अपना प्रभाव बहुत तेजी से बढ़ा लिया है। अमेरिका को भी ब्रिक्स से बड़ा झटका लग रहा है। ब्रिक्स के सदस्य देश पश्चिमी ढांचे से अलग आर्थिक और व्यापारिक तंत्र बना रहे हैं। यही कारण है कि ईरान, अर्जेंटीना, मिस्र, सऊदी अरब और नाटो का सदस्य देश तुर्की भी इस समूह में शामिल होने का इच्छुक है। सऊदी अरब और भारत के बीच संबंध मधुर हैं। दोनों देश तेल-गैस के व्यापार के अलावा रणनीतिक भागेदारी और प्रवासी कामगारों को लेकर भी करीब से जुड़े हैं। ऐसे में सऊदी अरब का ब्रिक्स में शामिल होना भारत के हित में होगा।

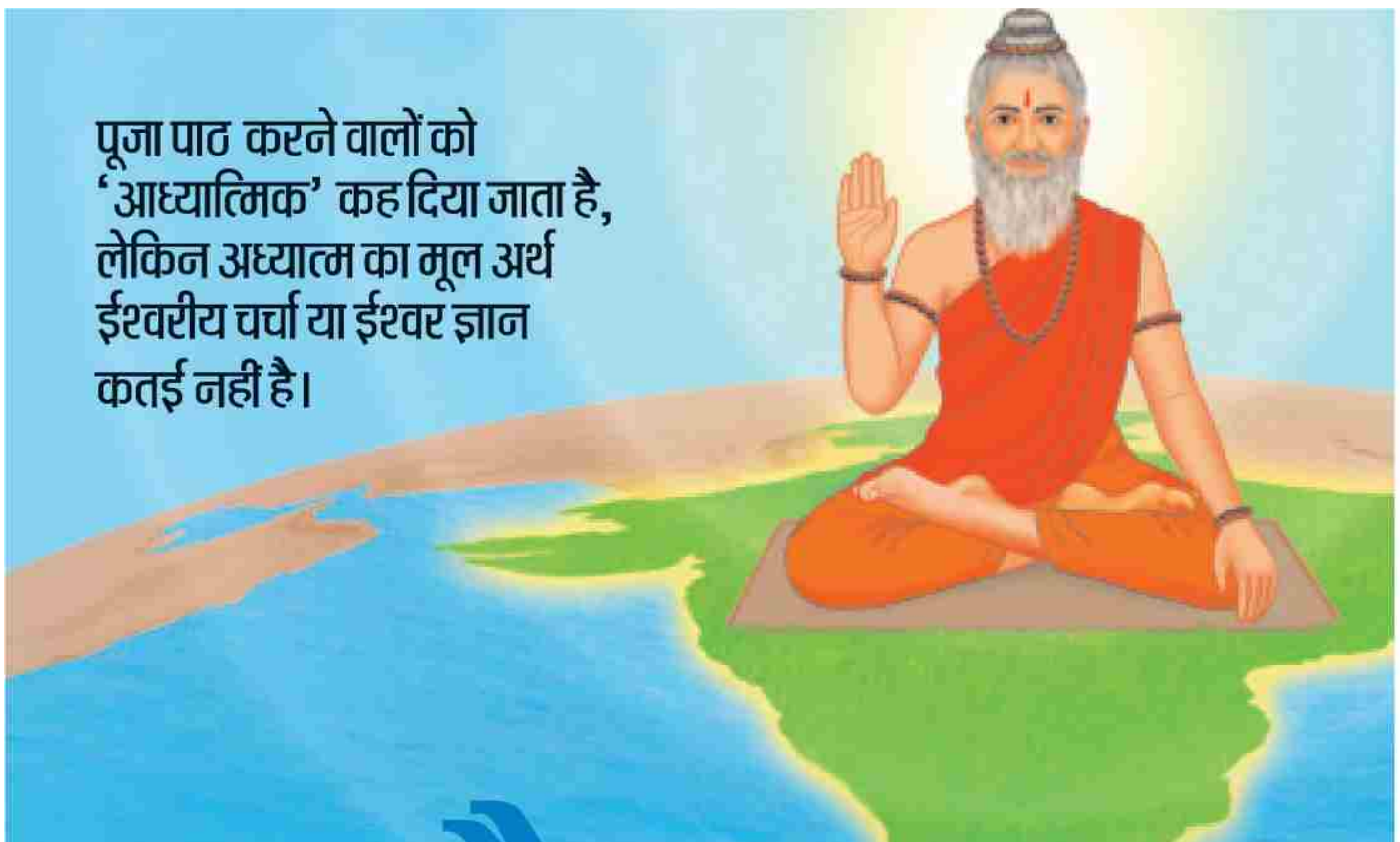

क्या है अध्यात्म

गीता के अध्याय 8 की शुरुआत अर्जुन के प्रश्नों से होती है, पूछते है 'हे पुरुषोत्ताम! वह ब्रह्म क्या है? अध्यात्म क्या है? और कर्म के माने क्या है?

(अध्याय 8 श्लोक1, लोकमान्य तिलक का अनुवाद, गीता रहस्य पृष्ठ 489)

मूल श्लोक है ' किं तद् ब्रह्म किम् अध्यात्मं किं कर्म पुरूषोत्ताम'।

प्रश्न सीधा है। यहां ब्रह्म की जिज्ञासा है, ब्रह्म ईश्वरीय जिज्ञासा है।

अध्यात्म ईश्वर या ब्रह्म चर्चा से अलग है। इसीलिए अध्यात्मक का प्रश्न भी अलग है।

कर्म भी ईश्वरीय ज्ञान से अलग एक विषय है। इसलिए कर्म विषयक प्रश्न भी अलग से पूछा गया है। श्रीकृष्ण कहते हैं

'अक्षरं ब्रह्म परमं, स्वभावों अध्यात्म उच्यते '

परम अक्षर अर्थात् कभी भी नष्ट न होने वाला तत्व ब्रह्म है और प्रत्येक वस्तु का अपना मूलभाव (स्वभाव) अध्यात्म है।

'परम अक्षर (अविनाशी) तत्व ही ब्रह्म है। स्वभाव अध्यात्म कहा जाता है।' (गीता नवनीत, पृष्ठ 175)

पारलौकिक विश्लेषण या दर्शन नहीं

अध्यात्म का शाब्दिक अर्थ है ' 'स्वयं का अध्ययन-अध्ययन-आत्म।

विद्वतजनों ने अध्यात्म की सुसंगत व्याख्या की है, 'इसका तात्पर्य यह है कि जो अपना भाव अर्थात् प्रत्येक जीव की एक-एक शरीर में पृथक पृथक सत्ता है, वही अध्यात्म है।

समस्त सृष्टिगत भावों की व्याख्या जब मनुष्य शरीर के द्वारा (शारीरिक संदर्भ लेकर) की जाती है तो उसे ही अध्यात्म व्याख्या कहते हैं।

गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं

'स्वभावो अध्यात्म उच्यते'

स्वभाव को अध्यात्म कहा जाता है।

बड़ा प्यारा है 'स्व '

स्व शब्द से कई शब्द बने हैं। 'स्वयं' शब्द इसी का विस्तार है। स्वार्थ भी इसी का हितैषी है। स्वानुभूति अनुभव विषयक 'स्व' है। सभी प्राणी मरणशील हैं, जब तक जीवित हैं, तब तक स्व हैं, तभी तक सुख हैं, संसार है, जिज्ञासाएं हैं, प्रश्न हैं। विज्ञान और दर्शन के अध्ययन है। प्रत्येक 'स्व' एक अलग इकाई है।

स्व की अपनी काया देह है, अपना मन है, बुध्दि है, विवेक है, दृष्टि है विचार हैं। इन सबसे मिलकर भीतर एक नया जगत् बनता है। इस भीतरी जगत् की अपनी निजी अनुभूति है, प्रीति और रीति भी है।

अपने प्रियजन हैं, अपने इष्ट हैं। इन सबसे मिलकर बनता है 'एक भाव' इसे 'स्वभाव' कहते हैं।

स्वभाव नितांत निजी वैयक्तिक अनुभूति होता है लेकिन स्वभाव की निर्मिति में मां, पिता, मित्र परिजन और सम्पूर्ण समाज का प्रभाव पड़ता है। स्वभाव निजी सत्ता और प्रभाव बाहरी। जब स्वभाव प्रभाव को स्वीकार करता है, प्रभाव घुल जाता है, स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। इसका उल्टा भी होता है, लेकिन बहुत कम होता है।

निजता को बचाने की इच्छा होती है स्वभाव में

निजता की रक्षा के प्रति अतिरिक्त सुरक्षा भाव भी होता है। निजत्ता की रक्षा, निजता के प्रति विशेष संरक्षण सतर्क भाव ही 'स्वाभिमान' कहलाता है।

स्वाभिमान, स्वभाव, स्वार्थ और स्वयं की विशिष्टता के कारण ही स्वभाव पर प्रभाव की जीत नहीं होती। बेशक स्वभाव पर दबाव के कारण प्रभाव पड़ते है, स्वभाव तो भी बना रहता है।

'स्वभाव' अजर और अमर नहीं

स्वभाव वह एक इकाई है, एक दैहिक सत्ता (शरीर) है। विकास के क्रम में स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान का भी विकास होता है। कोरे निजी हित के स्वभाव वाले 'स्वार्थी' भी परिवार हित में निज स्वार्थ छोड़ते हैं।

'स्व' का भौगोलिक क्षेत्र

पहली परिधि और सीमा यह शरीर है। इसका स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान होता है। इसी का विस्तार ग्राम, राष्ट, विश्व के मनुष्य हैं। फिर सभी कीट पतंगो और वनस्पतियों को भी शामिल किया जा सकता है।

यहां स्व का भौगोलिक क्षेत्र बढ़ा है। फिर सूर्य, चन्द्र, पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु और आकाश सहित समूचे ब्रह्माण्ड तक विस्तार होता है।

तुलसीदास ने 'परहित' को धर्म कहा- परहित सरिस धर्म नहि भाई।

यहां परहित स्वहित से बड़ा है। इसी तरह परहित से राष्ट्रहित, राष्ट्र हित से विश्वहित बड़ा है। लेकिन स्वार्थ तो भी है। स्व की सीमांए विश्व तक व्याप्त हो गई है, लेकिन अंतिम समूची मंजिल में ब्रह्माण्ड भी शामिल होता है। यहां स्व की सीमांए टूट जाती हैं।

यही स्व चरम पर पहुंचा और परम हो गया। इसी स्वार्थ का नाम अब परमार्थ होगा। स्वभाव भी अब परमभाव कहलाएगा।

कोरी ईश्वरीय चर्चा नहीं है अध्यात्म

अध्यात्म 'स्वभाव' को जानने की कैमिस्ट्री है। यह मानव मन की परतों का अजब गजब रासायनिक विश्लेषण है।

वृहदारण्यक उपनिषद् (2.3.4) में कहते हैं 'अध्यात्म का वर्णन किया जाता है 'अथ अध्यात्म मिदमेव'।

अर्थात् जो प्राण से और शरीर के भीतर आकाश से भिन्न है, यह मूर्त के, मर्त्य के इस सत् के सार हैं।

यहां अध्यात्म का विषय प्राण और आकाश को छोड़कर बाकी देह है।

शंकराचार्य के भाष्य के अनुसार 'आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रस: सार: '

आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रसः सारः ' अर्थात् आध्यात्मिक।

कहीं आपका पैसा न बहा ले जाए

घर के नल का टपकता पानी

इस युग में जहां हर कोई अपने घर का निर्माण और साज- सज्जा आधुनिक तौर पर करता है, वहीं इस बात का भी ध्यान रखता है कि किस चीज को कहां व्यवस्थित करनी है और किस वस्तु को कैसे उपयोग करना है। आइए जानते हैं कि किन -किन वस्तुओं का कैसे रखना है-

टपकते नल को ठीक कराएं- फेंगशुई में जल को संपत्ति माना गया है। यदि आपके घर का कोई भी नल लगातार टपक रहा हो तो उसकी तुरंत मरम्मत कराएं, क्योंकि ऐसा लगातार होना आपको आर्थिक क्षति पहुंचा सकता है।

घर में उत्तर दिशा को फूलों से सजाएं - आपके घर में उत्तर दिशा का क्षेत्र आपके जीवन की प्रगति और सुअवसरों से संबंधित है। इस क्षेत्र में सफेद रंग के कृत्रिम फूलों से भरा हुआ लोहे अथवा स्टील का फूलदान रखिए। इससे यह क्षेत्र समृद्ध होगा।

लाल रंग के बॉर्डर में फोटो मढ़वाएं- दक्षिण दिशा का तत्व अग्नि है और उससे जुड़ी है प्रसिद्धि। लाल रंग अग्नि का प्रतीक है। आप लाल रंग के बॉर्डर में अपना कोई अच्छा सा फोटो मढ़वाएं और दक्षिण क्षेत्र में लगाएं। आपकी प्रतिष्ठा और साख बढ़ाने का यह अच्छा उपाय है।

उत्तर-पूर्व दिशा में ग्लोब रखें- अपने घर की उत्तर-पूर्व दिशा में समूची पृथ्वी के प्रतीकस्वरूप ग्लोब रखें। इससे शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होती है। इस क्षेत्र का तत्व पृथ्वी है।

चीनी सिक्कों का करें उपयोग- धन संबंधी भाग्य को सक्रिय करने के लिए चीनी सिक्कों का उपयोग बहुत प्रभावशाली है। तीन सिक्कों को लाल रिबन में या लाल धागे में बांधकर अपने पर्स में रख सकते हैं। यह आपकी होने वाली आय का प्रतीक है। इन सिक्कों को उपहार में देना बहुत अच्छा माना जाता है। लाल धागा इन सिक्कों को सक्रिय करता है और उसमें से यांग ऊर्जा उत्पन्न होती है।

इच्छा और शक्ति

जीवन-ऊर्जा का मूल तत्व है और इसी से जीवन द्वारा ज्ञान और प्रेम की सर्वोच्चता स्वीकार नहीं करने का औचित्य व्यक्त होता है। प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है। किसी अस्वीकार्य वस्तु अथवा स्वभावत: भ्रष्ट करने वाली और बुराई की ओर ले जाने वाली चीज के रूप में शक्ति की निन्दा करना संस्कारबद्ध या धार्मिक मन की गलती है। भले ही बहुत से उदाहरण देकर इस मान्यता का औचित्य स्थापित करने का प्रयास किया जाता है, लेकिन वास्तव में यह एक अंधविश्वास और अविवेकपूर्ण मान्यता ही है। शक्ति का भ्रष्ट तरीके से इस्तेमाल और दुरुपयोग भले ही किया जाता हो, जैसा कि प्रेम और ज्ञान का भी किया जाता है, लेकिन वह दिव्य है और यहां उसे दिव्य उपयोग के लिए ही प्रदान किया गया है। शक्ति, इच्छा-शक्ति संसार को गतिशील रखने वाला दिव्य तत्व है और चाहे वह ज्ञान-शक्ति हो या प्रेम-शक्ति, जीवन-शक्ति हो या कर्म-शक्ति अथवा शारीरिक-शक्ति, अपने उद्गम में यह हमेशा आध्यात्मिक है और इसका चरित्र दिव्य है। अज्ञान में उसका उपयोग करने की बजाय अंत:प्रेरणा, जो कि अनंत और शाश्वत सत्ता की लय में कार्य करती है, के मार्गदर्शन में उसका उच्चतर सहज कर्म अथवा विशिष्ट कर्म के लिए उपयोग किया जाना चाहिए।

दुनिया को चाहिए सच्चा मनुष्य

श्री अरविन्द

- उच्च स्तर की अनुभूति हासिल करने के लिए मन के पार चेतना का उत्कर्ष होना आवश्यक है। इस उत्कर्ष के साथ अथवा इसके परिणामस्वरूप स्वयंभू सत्य का गतिशील अवतरण होना भी जरूरी है, जो कि मन से ऊपर सदा ही स्वयमेव प्रकाशित, शाश्वत रूप से, जीवन एवं पदार्थ की अभिव्यक्ति से पूर्व की स्थिति में विद्यमान रहता है।
- मन केवल खंडों में प्राप्त सत्य के अंशों को एक साथ जोड़कर उसे एक इकाई के रूप में सामने ला सकता है। मन का सत्य केवल अर्ध-सत्य अथवा किसी पहेली का एक अंश भर है। मानसिक ज्ञान हमेशा ही तुलनात्मक, आंशिक एवं अपूर्ण होता है और उससे प्रेरित कर्म और सृजन तो उससे भी अधिक दुविधापूर्ण और सीमित दायरे में आबद्ध रहता है और वह अपूर्ण अंशों के जोड़ से निर्मित होता है। जब हम इस सीमा को पार कर अधिक व्यापक प्रकाशमान चेतना एवं आत्म-ज्ञान के जगत में प्रवेश करते हैं, जहां दिव्य सत्य हमेशा ही स्थित रहता है, तब ही हमें अपने परम अस्तित्व और उसकी शक्तियों एवं कार्यों के अविनाशी एकीकृत सत्य के रहस्य का पता चल पाता है।
- अंत : प्रज्ञा की शक्ति अविकसित अवस्था में अधिकांशत : अस्पष्ट एवं आसक्त रूप से कार्य करती है अथवा तर्क एवं सामान्य बुद्धि के कार्य से प्राय: आच्छादित रहती है। जब तक यह स्पष्ट और स्वतंत्र रूप से कार्य करने नहीं लगती है, तब तक यह अनियमित, आंशिक, खंडित और आकस्मिक रूप से ही कार्य करती है। यह द्रुत प्रकाश की तरह अचानक कौंध कर कोई सुस्पष्ट सुझाव दे जाती है अथवा अत्यंत उपयोगी संकेत कर जाती है अथवा उससे संबंधित सहज बोध, द्युतिमान विवेक, अंत:प्रेरणा अथवा इलहाम को जगा जाती है और तर्क, इच्छा, मानसिक बोध या बुद्धि को हमारे अस्तित्व की गहराइयों या ऊंचाइयों से आए इस मदद के बीज का समुचित उपयोग करने के लिए छोड़ देती है।
- मन की उच्चतर स्थिति तब तक संपूर्ण अथवा निर्विकार नहीं हो सकती, जब तक कि क्षुद्र बुद्धि का विसर्जन नहीं हो जाता अथवा यह अपने ही अंतर्विकारों से मुक्त नहीं हो जाता। हमें बुद्धि और बौद्धिक कामना तथा अन्य क्षुद्र-क्रिया व्यापारों को पूरी तरह से नि:स्वर कर देना पड़ेगा और केवल अंत:प्रज्ञा से प्रेरित कर्म को ही सक्रिय होने का अवसर देना होगा अथवा अपने निकृष्ट कर्मों पर नियंत्रण रखते हुए उन्हें अंत:प्रज्ञा की सतत निगरानी में रूपांतरित करना होगा।
- वह शक्ति हासिल करने की कामना नहीं करनी चाहिए, जो तुम्हें अपने अधीन रखे, जो सब कुछ अपने मन के प्रयास से करने के बजाय किसी बाहरी शक्ति के द्वारा करवाने की क्षमता पर तुमको निर्भर बनाए।
- प्रज्ञावान मानस पहले की तुलना में केवल अधिक शक्तिशाली और अधिक दैदीप्यमान ही नहीं होगा, बल्कि वह उसी व्यक्ति के सामान्य मन के विकास से पूर्व की क्षमता से बहुत अधिक व्यापक संचालन शक्तियों से संपन्न भी होगा। इसलिए विकासशील अथवा विकसित सहज मन को बाह्य कुप्रभावों एवं अंतर्विकारों से हो सकने वाली किसी क्षति से बचाने के लिए सतत् सजग रहना होगा और मन को धीरे-धीरे संपूर्णत : अंत:प्रज्ञा से ओतप्रोत कर लेना होगा।
- प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है।
- हमारा व्यक्तिगत मानस वास्तविक आत्मा नहीं है। व्यक्तिगत मानस तो केवल एक रूप, एक आकृति भर है। जबकि हमारी वास्तविक आत्मा विराट, अनंत, सर्वव्यापी और सर्वाधार है। हमारे मन, जीवन एवं शरीर के मूल में जो आत्मा है, वही आत्मा सभी जीवों के मन, जीवन एवं शरीर के मूल में भी है। जब कभी हम उसके साथ एकरूप होते हैं तो उसके बाद पुन : जब हम उन जीवों की ओर देखते हैं तो चेतना के धरातल पर सभी एकाकार नजर आते हैं। यह सच है कि मन इस तरह की एकरूपता में बाधा डालता है। लेकिन सत्य को सीमित और खण्डित रूप में देखने की मन की प्रवृत्ति के बावजूद उसको एकात्मकारी सत्य की लय में सोचने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है। इसलिए हमें ध्यान और एकाग्रता के द्वारा वस्तुओं एवं जीवों को भिन्न-भिन्न समझने की प्रवृत्ति को रोकने तथा सर्वत्र सभी चीजों की एकात्मकता के बोध का अभ्यास करना चाहिए।
- मानव का हृदय और मानस जीवन-उद्दीपनों के तंतुओं से गुंथी भावनाओं एवं आत्मा की तरंगों के मिले-जुले रंगों से बनी एक अनोखी चीज है, जिसमें अच्छी-बुरी, सुखद-दुखद, संतोषजनक असंतोषजनक कोलाहल, शांति, उद्वेलन-उदासीनता सभी समाए रहते हैं। जब तक यह बाह्य प्रभावों के कारण विक्षुब्ध और तरंगायित होता रहता है, तब तक वास्तविक शांति और शक्तियों की पूर्णता से यह अपरिचित रहता है। पवित्रता के द्वारा, समत्व के द्वारा, ज्ञान के प्रकाश के द्वारा और कामनाओं की समरसता के द्वारा उसे घनीभूत शांति एवं परिपूर्णता की स्थिति में लाया जा सकता है। इस परिपूर्णता के दो आयाम होते हैं। एक तरफ यह मधुर, मुक्त, मृदु, शांत और स्पष्ट होता है तो दूसरी तरफ उसमें दृढ़ता, प्रबलता और तीव्रता जैसे गुण भी होते हैं। दिव्यावस्था में सामान्य मानव के चरित्र और कर्म में भी हमेशा ये दो आयाम उभर कर सामने आ जाते हैं – मधुरता और दृढ़ता, मृदुता और शक्ति, सौम्य और रौद्र, सहनशीलता और समरसता, चेतना और प्रेरणा।
- हम जो हैं और हो सकते हैं, वह हमारे उस तरह के विश्वास और वैसा होने की इच्छा के कारण है, क्योंकि विश्वास महानतर सत्य की ओर अग्रसर एक इच्छामात्र है और वह हमारी संभावनाओं की कोई सीमा नहीं बांधता अथवा हमारी आत्मा के सर्वशक्तिमान होने की संभावना, जो मानव शरीर में क्रियाशील दिव्य शक्ति है, से इन्कार नहीं करता।

अमेरिका में एयर शो के दौरान आपस में टकराए दो विमान, 6 लोगों के मरने की आशंका

वाशिंगटन। अमेरिका में दो विमानों के बीच टक्कर की खबर है। दरअसल, अमेरिका में एयर शो के दौरान 'बी-17 फ्लाइंग फोर्ट्रेस' बमवर्षक विमान और एक छोटा विमान हवा में एयर शो के दौरान टकरा गए। इसके बाद दोनों ही विमान तुरंत जमीन पर आ गिरे और पूरी तरीके से आग के गोले में तब्दील हो गए। घटना अमेरिका के डलास की है। जानकारी के मुताबिक घटना में कम से कम 6 लोगों की मृत्यु हुई है। लेकिन इसकी पुष्टि अब तक नहीं हो सकी है। यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन की ओर से भी इसको लेकर कोई पुष्ट जानकारी नहीं दी है। अब तक जानकारी यह भी नहीं है कि विमान में कितने लोग सवार थे। दोनों विमानों के टकराने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना शनिवार दोपहर लगभग 1:20 की है। वीडियो में साफ तौर पर पता चल रहा है कि एक विमान तेजी से आता है और दूसरे प्लेन से टकरा जाता है। टक्कर के बाद दोनों ही प्लेन के टुकड़े हवा में गिरते हुए दिखाई दे रहे हैं। धरती पर गिरने के साथ ही उनमें धमाका होता है और चारों तरफ धुंआ ही धुंआ दिखाई देने लगता है। पूर्व सैनिक दिवस के मौके पर करतब का आयोजन करने वाली कंपनी और दुर्घटनाग्रस्त विमान की मालिक 'कॉमेमोरेटिव एयर फोर्स' की प्रवक्ता लियाह ब्लॉक ने 'एबीसी' न्यूज को बताया कि उनका मानना है कि 'बी-17 फ्लाइंग फोर्ट्रेस' बमवर्षक विमान में चालक दल के पांच सदस्य और पी-63 किंग कोबरा लड़ाकू विमान में एक व्यक्ति सवार था। घटना दोपहर करीब एक बजकर 20 मिनट पर शहर के मुख्य इलाके से लगभग 16 किलोमीटर दूर डलास एक्जिक्यूटिव एयरपोर्ट पर हुई। दुर्घटना के बाद आपात सहायता कर्मी घटनास्थल पर पहुंच गए। एंथनी मोनटोया नामक व्यक्ति ने विमानों को टकराते हुए देखा। उन्होंने बताया कि मैं वहां खड़ा हुआ था। मैं पूरी तरह हैरान रह गया और कुछ समझ नहीं पाया। आसपास के सभी लोग हांफ रहे थे। सब फूट-फूट कर रो रहे थे। सब सदमे में थे। डलास के मेयर एरिक जॉनसन ने कहा कि राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने हवाई अड्डे को अपने नियंत्रण में ले लिया है। स्थानीय पुलिस और अग्निशमन विभाग सहायता प्रदान कर रहे हैं।

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में पाक मूल के मुस्लिमों ने रचा इतिहास, सबसे ज्यादा हासिल की सीटें

वाशिंगटन। अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनाव में पाकिस्तान मूल के मुस्लिमों समुदाय के लोगें ने इतिहास रच दिया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मध्यावधि चुनाव में 82 मुस्लिमों प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की है। न्यू ब्रंसविक में शिक्षा बोर्ड के लिए चुनी गई 21 साल की अलीशा खान ने कहा कि मुझे पता है कि हमारी पीढ़ी को क्या चाहिए। इस चुनाव में चुने गए लोगों में उनकी उम्र सबसे कम है। अलीशा मूल रूप से पाकिस्तान की रहने वाली हैं। उसके माता-पिता कराची से न्यू जर्सी चले गए थे। पाकिस्तानी-अमेरिकी कॉर्पोरेट वकील और राजनीतिज्ञ सलमानी भोजानी और सुलेमान ललानी को भी टेक्सास विधानमंडल के लिए चुना गया है। उनकी जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि टेक्सास विधानमंडल में मुसलमानों का हमेशा खुले दिल से स्वागत नहीं किया जाता रहा है। 2007 में, राज्य के तत्कालीन सीनेटर डैन पैट्रिक ने मुस्लिम मौलवी द्वारा टेक्सास सीनेट की पहली प्रार्थना का बहिष्कार किया था। पैट्रिक अब लेफ्टिनेंट गवर्नर के रूप में सीनेट की अध्यक्षता करते हैं। मध्यावधि चुनाव में संघीय, राज्य, स्थानीय और न्यायिक कार्यालयों के लिए 82 मुस्लिमों को चुना गया है, इसमें बड़ी संख्या में पाकिस्तानी हैं। एक पाकिस्तानी बेवसाइट के हवाले से कहा गया कि इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में एशियाई अमेरिकी चुने गए हैं, जिसमें भारतीय और पाकिस्तानी मूल के लोग शामिल हैं। इनमें मिशिगन से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए चुने गए पहले भारतीय-अमेरिकी थानेदार और मैरीलैंड के लेफ्टिनेंट गवर्नर के रूप में चुने गए पहले अप्रवासी और पहले एशियाई-अमेरिकी अरुणा मिलर शामिल हैं। फिर से चुने गए लोगों में डेलावेयर राज्य के प्रतिनिधि मदीना विल्सन-एंटोन, कोलोराडो राज्य के प्रतिनिधि इमान जोदेह और कोलोराडो राज्य के सीनेटर पाकिस्तानी अमेरिकी सऊद अनवर शामिल हैं। जॉर्जिया में भी मौजूदा सीनेटर शेख रहमान के अलावा दो मुस्लिम महिलाओं ने जीत दर्ज की है। नबीलाह इस्लाम राज्य के सीनेटर बनेंगे और रूवा रोमन प्रतिनिधि सभा में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। इंडियाना के एक निर्वाचन क्षेत्र में, मुस्लिम डेमोक्रेट आंद्रे कार्सन ने रिकॉर्ड 7वीं बार कांग्रेस के लिए निर्वाचित होकर इतिहास रच दिया। मिशिगन में डेमोक्रेट राशिदा तलीब तीसरी बार निर्वाचित हुई हैं। एक अन्य मुस्लिम डेमोक्रेट, इल्हान उमर, मिनेसोटा से तीसरी बार फिर से चुने गए। कीथ एलिसन मिनेसोटा के अटॉर्नी जनरल के रूप में फिर से चुने गए।

डोनाल्ड ट्रंप 15 नवंबर को कर सकते हैं 2024 में होने वाले चुनाव में अपनी दावेदारी का ऐलान

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 2024 में होने वाले चुनाव के लिए अपनी दावेदारी का ऐलान अगले सप्ताह यानी 15 नवंबर को कर सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार उनके सहयोगी और लंबे समय से सलाहकार रहे जेसन मिलर ने यह दावा किया है। मिलर ने बताया कि ट्रम्प अगले सप्ताह मंगलवार को घोषणा कर सकते हैं कि वह राष्ट्रपति चुनाव की रेस में शामिल होंगे। मिलर के मुताबिक ये घोषणा बेहद रोचक और पेशेवर तरीके से की जाएगी। मिलर ने कहा कि उन्होंने ट्रम्प से इस बारे में बात की और कहा कि ट्रम्प ने दोहराया कि राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी को लेकर उनके मन में कोई भी संदेह नहीं है। वह पूरी तरह से मन बना चुके हैं कि वह 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में ताल ठोकेंगे। मिलर ने ट्रंप के हवाले से कहा कि वह चुनावी रेस में हिस्सा लेंगे। ट्रंप ने कहा कि 'मैं सुनिश्चित करना चाहता हू कि लोगों को पता चले कि मैं उत्साहित हू और हमें देश को पटरी पर लाना है'। ट्रंप के करीबी मिलर ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को फ्लोरिडा के मारा-ए-लागो एस्टेट में यह घोषणा करने वाले हैं। मिलर के अनुसार ट्रम्प को मौके पर भारी भीड़ जुटने की उम्मीद है। मिलर ने 2016 और 2020 में ट्रम्प के लिए प्रचार किया था। इतना ही नहीं, जब ट्रंप राष्ट्रपति बने थे, तो मिलर उनके सलाहकार थे। ट्रंप ने कहा था कि वह अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के नतीजों के बाद 15 नवंबर को कोई बड़ा ऐलान करेंगे। इसके बाद ऐसी अटकलें लगनी शुरू हो गई कि वह 2024 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अपनी दावेदारी पेश कर सकते हैं।

शाहरुख को शारजाह में मिला ग्लोबल आइकन ऑफ सिनेमा एंड कल्चरल नैरेटिव अवार्ड

शारजाह। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान शारजाह इंटरनेशनल बुक फेयर (एसआईबीएफ) 2022 में शामिल हुए, जहां उन्हें ग्लोबल आइकन ऑफ सिनेमा एंड कल्चरल नैरेटिव अवार्ड से सम्मानित किया गया। एक स्लीक बैक-ब्रश हेयरडू के साथ एक ऑल-ब्लैक अवतार में पहुंचे अभिनेता को सांस्कृतिक परिदृश्य में योगदान और लेखन और रचनात्मकता के क्षेत्र में योगदान के लिए पुरस्कार मिला है। उल्लेखनीय है कि शाहरूख खान के प्रशंसक भारत के अलावा यूरोप, मध्य पूर्व और अमेरिका में फैले हुए हैं, मेले में उनकी उपस्थिति सिनेमा और सांस्कृतिक कथा के एसआईबीएफ वैश्विक प्रतीक का पहला सम्मान है। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद अभिनेता ने कहा कि शब्द, किताबें और कहानियां, ये चीजें हैं जो एक साथ लाती हैं। हम सिनेमा, कहानी, कहानियों, किताबों और नृत्य के माध्यम से मानवता को एक साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं। किताबें हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं, केवल पढ़ना ही नहीं, इसके सार को हमें अपने जीवन में अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा हम सभी, चाहे हम कहीं भी रहते हों, किसी भी रंग के हों, किसी धर्म का पालन करते हो या किसी गीत पर नृत्य करते हों, सभी प्रेम, शांति और करुणा की संस्कृति में पनपते हैं। मंच पर शाहरुख ने 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' से अपने प्रतिष्ठित बाहों को फैलाते हुए उन्होंने फिल्म 'ओम शांति ओम' के अपने चर्चित संवाद के साथ दर्शकों का मनोरंजन किया-इतनी शिद्दत से मैंने तुम्हें पाने की कोशिश की है, कि हर जर्रे ने मुझे तुमसे मिलाने की साजिश की है। कहते हैं कि अगर किसी चीज को दिल से चाहो तो पूरी कायनात उसे तुमसे मिलाने की कोशिश में लग जाती है। उन्होंने 1993 की अपनी हिट 'बाजीगर' फिल्म के संवाद भी जोड़े। एसआईबीएफ के बॉलरूम के अंदर सबके पसंदीदा अभिनेता की एक झलक पाने के लिए भीड़ ने बेतहाशा खुशी मनाई और कुर्सियों पर खड़ी हो गई।

सिडनी में इलावारा एयर शो में शामिल एक विमान।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्व पीएम नवाज शरीफ दिसंबर में पाकिस्तान लौट सकते हैं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) प्रमुख नवाज शरीफ आत्म-निर्वासन समाप्त कर अगले आम चुनाव में अपनी पार्टी का नेतृत्व करने के लिए लंदन से पाकिस्तान लौट सकते हैं। मीडिया में शनिवार को आई एक खबर में दावा किया गया है कि वह दिसंबर में स्वदेश वापसी कर सकते हैं। शुक्रवार को मीडिया में आई खबर में कहा गया था कि 72 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री को पीएमएल-एन नीत सरकार द्वारा राजनयिक पासपोर्ट दिया गया है। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने पार्टी सूत्रों के हवाले से कहा कि शरीफ आखिरकार दिसंबर में पाकिस्तान लौटेंगे। हालांकि, सूत्र ने कहा कि इस कदम को सरकार द्वारा समय से पहले चुनाव कराने के संकेत के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए। सूत्र के हवाले से अखबार ने कहा कि यह अफवाहें सच नहीं हैं कि शरीफ चुनाव के करीब आने पर प्रचार के लिए लौटेंगे, क्योंकि उनकी वापसी का किसी भी तरह से मतलब यह नहीं है कि पीएमएल-एन नीत सरकार समय से पहले चुनाव के लिए सहमत हो गयी है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख एवं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अप्रैल में उन्हें पद से हटाए जाने के बाद से मध्यावधि चुनाव की मांग कर रहे हैं। नेशनल असेंबली का मौजूदा कार्यकाल अगस्त 2023 तक है।

भारत और आसियान देशों ने आतकंवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया

वाशिंगटन (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को यहां 19वें आसियान-भारत सम्मेलन को संबोधित किया, जिसके बाद भारत और आसियान देशों ने आतंकवाद के खिलाफ व्यापक रणनीतिक भागीदारी कायम करने और सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया। धनखड़ कंबोडिया की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। इस वर्ष आसियान-भारत संबंधों की 30वीं वर्षगांठ है और इसे आसियान-भारत मैत्री वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का संघ (आसियान) एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जिसमें दक्षिण पूर्वी एशियाई के 10 देश ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमा, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम सदस्य हैं। भारत-आसियान ने दोनों पक्षों के बीच संवाद मंच स्थापित करके साइबर सुरक्षा पर सहयोग मजबूत बनाने पर जोर दिया। एक संयुक्त बयान में, उन्होंने दक्षिण पूर्वी एशिया और भारत के बीच गहरे सभ्यतागत संबंध, समुद्री संपर्क और सांस्कृतिक संबंधों की सराहना की, जो पिछले 30 वर्षों में मजबूत हुए हैं और आसियान-भारत संबंधों के लिए एक ठोस आधार बन गए हैं। सम्मेलन को संबोधित करने से पहले उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन सेन के साथ मानव संसाधन, बारूदी सुरंगों को हटाने और विकास परियोजनाओं जैसे क्षेत्रों समेत द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा बनाने के तौर-तरीकों पर चर्चा की। भारत और आसियान देशों ने संयुक्त बयान में डिजिटल परिवर्तन, डिजिटल व्यापार, डिजिटल कौशल एवं नवाचार में विभिन्न क्षेत्रीय कौशन निर्माण गतिविधियों के माध्यम से डिजिटल अर्थव्यवस्था में सहयोग बढ़ाने की घोषणा की। बयान में कहा गया है, ÷हम आसियान स्मार्ट सिटीज नेटवर्क (एएससीएन) और भारत के स्मार्ट सिटी मिशन के तहत सहयोग बढ़ाने के विकल्प तलाशेंगे, इसके लिए आपस में श्रेष्ठ पद्धतियों एवं क्षमता निर्माण में परस्पर सहयोग करेंगे ताकि ऐसे शहरों के निर्माण में मदद मिले जो तकनीकी दृष्टि से उन्नत हो। धनखड़ 13 नवंबर को, 17वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, जिसमें दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ (आसियान) के सदस्य देश और इसके आठ संवाद सहयोगी भारत, चीन, जापान, कोरिया गणराज्य, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अमेरिका और रूस शामिल हैं। पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में, नेता पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन तंत्र को और मजबूत करने के तरीकों के साथ-साथ समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद और निरस्त्रीकरण सहित क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय मामलों पर चर्चा करेंगे।

चीन ने कक्षा में अपने स्पेस स्टेशन के लिए कार्गो अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित किया

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने अपने तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन को आपूर्ति भेजने के लिए शनिवार को कार्गो अंतरिक्ष यान 'तियानजू' का सफल प्रक्षेपण किया। तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण इस साल तक पूरा होने की उम्मीद है। अंतरिक्ष में मानव मिशन से संबंधित चीन की एजेंसी 'सीएमएसए' (चाइना मैन्ड स्पेश एजेंसी) ने बताया कि दक्षिणी हैनान प्रांत में वेंचचांग अंतरिक्ष प्रक्षेपण स्थल से 'तियानजू-5' को लेकर सुबह रवाना हुआ 'लांग मार्च-7 वाई6' रॉकेट सफलतापूर्वक निर्धारित कक्षा में पहुंच गया।

समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार एजेंसी ने इसे पूरी तरह सफल प्रक्षेपण बताया है। इससे पहले, 31 अक्टूबर को चीन ने अपने तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण को अंतिम चरण में ले जाने के लिए 'मेंगटियन मॉड्यूल' नामक दूसरी प्रयोगशाला की शुरुआत की थी। चीन अंतरिक्ष विज्ञान एवं तकनीक (सीएएसटीसी) ने पहले घोषणा की थी कि निम्न-कक्षा के लिए अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण इस वर्ष पूरा होने की उम्मीद है। तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण को पूरा करने के लिए तीन अंतरिक्ष यात्रियों के दो समूहों को छह महीने के मिशन पर इसके 'तियान्हे' नामक मुख्य मॉड्यूल में भेजा गया था। एक ओर, अंतरिक्ष यात्रियों का एक समूह वापस आ गया है, तो दूसरी ओर तीन अंतरिक्ष यात्रियों का एक और समूह फिलहाल इसके निर्माण को पूरा करने के लिए तियान्हे में स्थित है। निर्माण के बाद चीन एकमात्र ऐसा देश होगा जिसके पास पूरी तरह से एक अंतरिक्ष स्टेशन होगा और वह नासा के नेतृत्व वाले अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (एसएसएस) का प्रतिस्पर्धी होगा। पर्यवेक्षकों का कहना है कि आने वाले वर्षों में आईएसएस का कार्यकाल बीत जाने के बाद सीएसएस (चीनी अंतरिक्ष स्टेशन) कक्षा में रहने वाला एकमात्र अंतरिक्ष स्टेशन बन सकता है।

ज़ेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन की विशेष सैन्य इकाइयाँ खेरसॉन में हैं

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने शुक्रवार को कहा कि युद्ध की शुरुआत में ही रूसी सेना द्वारा कब्जा जमा ली गयी बड़ी प्रांतीय राजधानी खेरसॉन में विशेष सैन्य इकाइयां दाखिल हो चुकी हैं। खेरसॉन से रूस (रूसी सेना) के पीछे हटने पर शहर में लोगों ने खुशियां मनायी। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस शहर से अपने सैनिकों को वापस बुला लेने की प्रक्रिया पूरी होने के रूस के ऐलान के कुछ घंटों बाद एक वीडियो संबोधन में, राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा, ÷अभी हमारे रक्षक शहर की बढ़ रहे हैं। थोड़ी देर में हम शहर प्रवेश करने वाले हैं। लेकिन विशेष इकाइयां पहले से ही शहर में हैं।'' रूस ने इस बड़े शहर में अपनी मजबूत पकड़ छोड़ दी। जब 24 फरवरी को यूक्रेन पर रूस ने आक्रमण किया था, तो खेरसॉन सबसे पहले उसके कब्जे में आने वाले स्थानों में एक था। रूसी सैनिकों की वापसी ऐसे स्थानों पर यूक्रेनी सेना के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल साबित हो सकती है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसके सभी सैनिक यूक्रेन के खेरसॉन क्षेत्र को विभाजित करने वाली नदी के पश्चिमी तट से सुबह 5 बजे तक पूरी तरह लौट गये। उन्होंने जिस क्षेत्र को छोड़ा, उसमें खेरसॉन शहर शामिल है जो एकमात्र प्रांतीय राजधानी थी जिसे रूस ने यूक्रेन पर अपने लगभग नौ महीने के आक्रमण के दौरान कब्जा कर लिया था। सोशल मीडिया पर वीडियो और तस्वीरों में खेरसॉन की सड़कों पर लोगों को खुशीमनाते हुए देखा गया है। मार्च की शुरुआत में इस शहर पर कब्जा कर लिये जाने के बाद पहली बार एक केंद्रीय खेरसॉन चौक पर एक स्मारक के ऊपर एक यूक्रेनी झंडा फहराया गया।

कार्बन उत्सर्जन के लिए सिर्फ कोयला नहीं, सभी जीवाश्म ईंधन जिम्मेदार: भारत

शर्म अल-शेख (एजेंसी)। कोयले के उपयोग को समाप्त करने की बढ़ती मांग के बीच भारत ने मिस्र में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता (कॉप-27) में एक मजबूत स्टैंड लेते हुए कहा कि किसी एक ईंधन को 'खलनायक' बनाना सही नहीं है, क्योंकि प्राकृतिक गैस और तेल भी कार्बन उत्सर्जन का बड़ा कारण बनते हैं। कॉप-27 के दौरान लिए गए निर्णयों पर अध्यक्षीय परामर्श के दौरान अपना हस्तक्षेप करते हुए भारत ने निर्णय में कुछ बिंदुओं को शामिल करने का सुझाव दिया, भारत ने कहा कि पेरिस समझौते के दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की आवश्यकता है।

नई दिल्ली ने राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुसार वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण में तेजी लाने का आग्रह किया और कहा 'सभी जीवाश्म ईंधन ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में योगदान करते हैं। भारत ने अन्य देशों को भी सतत उपभोग और उत्पादन के विषय में सतत विकास लक्ष्यों 12 (एसडीजी-12) पर विचार करने और जलवायु के अनुकूल जीवन शैली के लिए वैश्विक जन आंदोलन को बढ़ावा देने के लिए आमंत्रित किया।

भारतीय पक्ष ने कहा कि उत्सर्जन के स्रोतों में से किसी एक को अधिक हानिकारक बताने या ग्रीनहाउस गैसों के स्रोत होने पर भी उसे 'ग्रीन और टिकाऊ' स्तर का घोषित करने के लिए अभी तक हमारे पास उपलब्ध सर्वोत्तम विज्ञान में कोई आधार नहीं है। इस बात पर गहरा खेद व्यक्त करते हुए कि देश ऊर्जा के उपयोग, आय और उत्सर्जन में भारी असमानताओं के साथ एक असमान दुनिया में रह रहे हैं, भारत ने वार्ताकारों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि वैश्विक कार्बन बजट का आकार तेजी से सिकुड़ रहा है और इसके समान बंटवारे की आवश्यकता है। भारत ने नवीनतम वैश्विक कार्बन परियोजना रिपोर्ट की पृष्ठभूमि में यह बात कही, जिसमें शुक्रवार को उल्लेख किया गया था कि ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने की 50 फीसदी संभावना के लिए शेष कार्बन बजट घट गया है।

भारतीय वार्ताकारों ने मिस्र के कॉप-27 अध्यक्ष को बताया कि पेरिस समझौते के तहत सामान्य लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों, हिस्सेदारी और राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित जलवायु प्रतिबद्धताओं के बुनियादी सिद्धांत हैं। इन सिद्धांतों को इस सम्मेलन के मूल बिंदुओं से जुड़े विषय को लेकर किए गए निर्णय में दृढ़ता से जोर देने की आवश्यकता है। मूल बिंदुओं के निर्णय को लेकर वार्ता शनिवार को शुरू हुई जिसमें देशों ने प्रस्ताव दिया कि वे अंतिम सौदे में क्या शामिल करना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले साल ग्लासगो में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन (काप-26) में वार्ता कोयले के निरंतर उपयोग को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से कम करने के समझौते के साथ समाप्त हुई थी।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ने कहा कि संकटग्रस्त म्यांमार पर विश्व विफल हो गया है

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने शनिवार को कहा कि दुनिया म्यांमा के मामले में नाकाम रही है। हालांकि उन्होंने उम्मीद जताई कि दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन (आसियान) अगले साल तक शांति के लिए अपनी योजना का पालन कराने को लेकर सदस्य देशों पर दबाव बनाने में सक्षम होगा। नोम पेन्ह में आसियान के शिखर सम्मेलन में नेताओं ने शुक्रवार को एक योजना पर सहमति व्यक्त की, जिसके तहत 2023 में संगठन की अध्यक्षता संभालने वाले इंडोनेशिया पर म्यांमा के लिए मापदंड तय करने और शांति के लिए पांच सर्वसम्मत बिंदु को लागू करने की जिम्मेदारी होगी। इंडोनेशिया आसियान के उन सदस्यों में से है जो म्यांमा में स्थिति को संबोधित करने के लिए और अधिक कदम उठाने की आवश्यकता के बारे में सबसे अधिक मुखर रहा है। गुतारेस ने संवाददाताओं से कहा कि उन्हें लगता है कि 'इंडोनेशिया की सरकार सकारात्मक तरीके से एजेंडा को आगे बढ़ाने में सक्षम होगी।' आसियान के शुक्रवार को घोषित निर्णय में संगठन के प्रयासों का समर्थन करने में सहायता के लिए संयुक्त राष्ट्र और अन्य 'बाहरी भागीदारों' से पूछना शामिल है। गुतारेस ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि म्यांमा के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत नोलीन हेजर देश में 'मानवाधिकारों के उल्लंघन' को समाप्त करने के लिए आसियान समकक्ष के साथ मिलकर काम करेंगी। गुतारेस ने कहा, 'म्यांमा के संबंध में हर कोई नाकाम रहा है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय समग्र रूप से नाकाम हो गया है और संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय समुदाय का हिस्सा है।' आसियान की शांति योजना में हिंसा की तत्काल समाप्ति, सभी पक्षों के बीच बातचीत, आसियान के विशेष दूत द्वारा मध्यस्थता, मानवीय सहायता का प्रावधान और सभी पक्षों से मिलने के लिए विशेष दूत द्वारा म्यांमा की यात्रा का आह्वान किया गया है।

इमरान ने कहा- अब अमेरिका के साथ संबंध सुधारना चाहते हैं

इमरान ने अमेरिका पर पाकिस्तान के साथ गुलामों जैसा बर्ताव करने का आरोप भी लगाया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का कहना है कि वह अमेरिका के साथ संबंधों को सुधारना चाहते हैं। उन्होंने अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव लाकर सत्ता से हटाए गए इमरान ने पूरे प्रकरण के पीछे विदेशी साजिश को जिम्मेदार ठहराया था। उनका इशारा अमेरिका की ओर था लेकिन अब वह वॉशिंगटन के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं। कुछ दिनों पहले जानलेवा हमले में इमरान के पैर में गोली लगी थी। उन्होंने अपने ऊपर हमले के लिए पाक पीएम शहबाज शरीफ समेत तीन लोगों पर आरोप लगाया है।अपने एक साक्षात्कार में इमरान खान ने कहा कि वह अब अमेरिका को %दोषी% नहीं ठहराते हैं और दोबारा चुने जाने पर सम्मानजनक संबंध चाहते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि पाकिस्तान डिफॉल्ट की कगार पर है और देश के आईएमएफ प्रोग्राम की भी आलोचना की। कई विश्लेषकों का मानना है कि पाकिस्तान में अगले साल होने वाले आम चुनावों में इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ जीत सकती है।

एक साक्षात्कार में जब इमरान से पूछा गया कि वह चुनाव तक इंतजार क्यों नहीं करना चाहते तो उन्होंने कहा कि उन्हें पाकिस्तान की चिंता है जो लगातार नीचे जा रहा है। इमरान ने कहा ?कि मैं जिस पाकिस्तान का नेतृत्व करना चाहता हूं, उसके सभी के साथ अच्छे संबंध होने चाहिए, खासकर अमेरिका के साथ।% उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ हमारे संबंध एक मालिक-नौकर या मालिक और गुलाम के रहे हैं लेकिन इसके लिए मैं अमेरिका से ज्यादा अपनी सरकारों को दोषी ठहराऊंगा। खान ने पाकिस्तान के आईएमएफ प्रोग्राम को भी जमकर कोसा जिसकी शुरुआत 2019 में उनकी सरकार ने की थी। आलोचकों ने इमरान पर अमेरिका, आईएमएफ और अन्य अंतरराष्ट्रीय भागीदारों, जिन पर पाकिस्तान आर्थिक रूप से निर्भर है, के साथ संबंधों को बिगाड़कर देश की अर्थव्यवस्था को खतरे में डालने का आरोप लगाया है। एक जर्मन न्यूज चैनल के साथ साक्षात्कार में इमरान से पूछा गया कि उनके पास क्या सबूत हैं जिनके आधार पर वह शहबाज शरीफ और सेना पर अपने ऊपर जानलेवा हमले का आरोप लगा रहे हैं। जवाब में उन्होंने कहा कि फिलहाल उनके पास सिर्फ परिस्थितिजन्य सबूत हैं।

टी20 विश्व कप फाइनल : पाकिस्तान को हराकर इंग्लैंड बना विश्व विजेता, इतिहास रचने से चुके बाबर आजम

एडीलेड (एजेंसी)।

टी20 विश्व कप का नया चैंपियन इंग्लैंड है। इंग्लैंड ने आज फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को 6 विकेट से हराकर यह खिताब अपने नाम किया है। इंग्लैंड दूसरी बार यह खिताब जीतने में कामयाब रहा है। इंग्लैंड के अलावा वेस्टइंडीज की टीम ने दो बार ञ20 विश्वकप का खिताब जीता है। इंग्लैंड ने 2010 में फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को हराकर यह खिताब जीता था। इंग्लैंड के कप्तान जॉस बटलर ने टॉस जीतकर पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। पाकिस्तान ने 8 विकेट के नुकसान पर 137 रनों का स्कोर खड़ा किया। जीत के लिए इंग्लैंड को 138 रन बनाने थे। इंग्लैंड की टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर इसे हासिल कर लिया।

हालांकि, 138 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। पिछले मैच के हीरो एलेक्स हेल्स आज 1 रन के स्कोर पर ही शाहीन अफरीदी के शिकार हुए। बाद में कप्तान जॉस बटलर ने कुछ शानदार स्टोक जरूर खेली। लेकिन वह भी हरीश रउफ के शिकार बने। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे बेन स्टोक्स ने आज एक बार फिर से इंग्लैंड के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित हुए। 2019 के 50 ओवर के विश्व कप में इंग्लैंड को विजेता बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले बेन स्टोक्स में आज भी शानदार पारी खेलते हुए अपनी टीम को जीत दिलवाई। दबाव की परिस्थिति में भी बेन स्टोक्स ने एक छोड़ को संभाले रखा और अंततः टीम को विश्व विजेता बना कर ही वापस लौटे।

बेन स्टोक्स ने ने 49 गेंदों में 52 रनों की पारी खेली जिसमें 5 चौके और 1 छक्के शामिल हैं। मैच के दौरान पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा झटका शाहीन अफरीदी का चोटिल होना भी रहा। शाहीन अफरीदी कैच लेने के चक्कर में चोटिल हुए थे। हालांकि, पाकिस्तान के गेंदबाजों ने भी शानदार और सधी हुई गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड को एक वक्त पर बैकफुट पर ला दिया था। बावजूद इसके इंग्लैंड ने इस मुकाबले को जीतने में सफलता हासिल की है। इससे पहले इंग्लैंड के बायें हाथ के तेज गेंदबाज सैम करन और लेग स्पिनर आदिल राशिद ने पाकिस्तानी बल्लेबाजी लाइनअप को इतने दबाव में ला दिया कि प्रतिद्वंद्वी टीम रविवार को टी20 विश्व कप फाइनल में आठ विकेट पर 137 रन ही बना सकी। इस साल के शुरू में चोट से वापसी करने वाले करन इंग्लैंड के लिये बेहतरीन गेंदबाज रहे हैं और उन्होंने चार ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट हासिल कर बड़े मैच में अपनी काबिलियत साबित की।

वहीं राशिद भी पीछे नहीं रहे, उन्होंने मध्य के ओवरों में रन गति पर लगाम कसी जिसमें उन्होंने और करन ने मिलकर 25 डॉट गेंद डाली। राशिद ने अपने शानदार प्रयास से फिर दिखाया कि भारतीय टीम प्रबंधन ने पूरे टूर्नामेंट में युजवेंद्र चहल का इस्तेमाल नहीं कर किस तरह मौका गंवाया। एमसीजी की पिच पर काफी उछाल और तेजी है लेकिन बटलर की सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली गेंदबाजी जोड़ी (करन और राशिद) ने इसके विपरीत गेंदबाजी की , दोनों ने अपनी गेंदों की रफ्तार कम की। राशिद ने 75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की जबकि करन ने 126 से 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी जिससे पाकिस्तानी बल्लेबाजों के लिये रन जोड़ना मुश्किल हो गया। बाबर आजम (28 गेंद में 32 रन) और मोहम्मद रिजवान (14 गेंद में 15 रन) ने सतर्क शुरूआत की जैसा कि वे पिछले एक साल से करते रहे हैं। करन इंग्लैंड के लिये पूरे टूर्नामेंट में सबसे निरंतर प्रदर्शन करने वाले गेंदबाज रहे हैं, उन्होंने कोण लेती फुल लेंथ पर रिजवान को बोल्ड किया।

मशहूर फुटबॉल क्लब लिवरपूल एफसी को खरीद सकते हैं मुकेश अंबानी

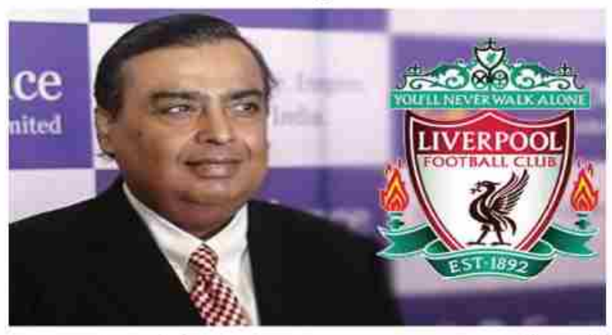

लंदन (एजेंसी)।

भारतीय अरबपति मुकेश अंबानी दुनिया के मशहूर इंग्लिश फुटबॉल क्लब लिवरपूल एफसी को खरीदने की दौड़ में शामिल हो गए हैं। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) क्लब का मौजूदा मालिक फेनवे स्पोर्ट्स ग्रुप (एफएसजी) इसे बेचना चाहता है जिसने अक्टूबर 2010 में मर्सीसाइड क्लब खरीदा था।

एक रिपोर्ट के अनुसार एफएसजी अपने क्लब को चार अरब ब्रिटिश पाउंड में बेचने का इच्छुक है। रिपोर्ट के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अंबानी ने क्लब के बारे में जानकारी ली है। 'फोर्ब्स' की रेटिंग में दुनिया के आठवें सबसे रईस अंबानी के मुंबई मुख्यालय और कंपनी से जुड़े लोग इसकी पुष्टि नहीं कर सके।

एफएसजी के बयान के अनुसार, 'एफएसजी को लिवरपूल में शेयरधारक बनने के लिए तीसरे पक्षों से दिलचस्पी मिली है। एफएसजी पहले ही कह चुका है कि सही शर्तों के अंतर्गत ही हम नए शेयरधारकों पर विचार करेंगे कि यह लिवरपूल के हित में होगा या नहीं।' एफएसजी के अंतर्गत जर्गेन क्लोप की टीम को काफी सफलता मिली है जिसमें पिछले कुछ वर्षों में प्रीमियर लीग खिताब, चैम्पियंस लीग, एफए कप, काराबाओ कप और यूरोपीय सुपर कप जीतना शामिल है।

अमरीका और खाड़ी के देश भी क्लब के अधिग्रहण में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। अंबानी की कंपनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) क्रिकेट टीम मुंबई इंडियंस की मालिक है और इंडियन सुपर लीग फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित करने के अलावा अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की व्यावसायिक भागीदार भी है।

हार से दुखी हुए बाबर आजम, कहा- इंग्लैंड चैंपियन बनने के लायक है

एडिलेड (एजेंसी)।

इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप के फाइनल में रविवार को यहां पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर दूसरी बार इस खिताब को अपने नाम किया। पाकिस्तान को आठ विकेट पर 137 रन पर रोकने के बाद इंग्लैंड ने 19 ओवर में पांच विकेट गंवा कर लक्ष्य हासिल किया। इंग्लैंड के लिए हरफनमौला बेन स्टोक्स ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं पाकिस्तान दूसरी बार खिताब जीतने से चूक गया। इससे पहले पाकिस्तान ने 2009 में ट्रॉफी जीती थी, लेकिन अब बाबर आजम की कप्तानी में फिर इसे हासिल करने का मौका मिला तो वह चूक गए।

दिया ये बयान: फाइनल में मिली हार से दुखी बाबर आजम ने माना कि उनकी टीम ने स्कोर कम बनाया। बाबर ने कहा, 'इंग्लैंड को बधाई, वे चैंपियन बनने के लायक हैं और अच्छी तरह से लड़े हैं। हमें यहां घर जैसा महसूस हुआ, हर जगह बहुत अच्छा समर्थन मिला। आपके समर्थन के लिए धन्यवाद। हां, हमने पहले दो मैच गंवाए लेकिन आखिरी चार मैचों में हम जिस तरह से आए वह अविश्वसनीय था। मैंने लड़कों से सिर्फ अपना पुराना खेल खेलने को कहा, लेकिन हम 20 रन कम बना पाए और लड़कों ने गेंद से अच्छा संघर्ष किया। हमारी गेंदबाजी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आक्रमणों में से एक है। दुर्भाग्य से शाहीन की चोट ने हमें परेशान कर दिया, लेकिन यह खेल का हिस्सा है।'

'उनकी हार पक्की थी', पाकिस्तान के पस्त होने पर सुनील गावस्कर ने दिया बयान

एडिलेड (एजेंसी)।

पाकिस्तानी खेमा मान रहा है कि अगर शाहीन अफरीदी अपने पूरे 4 ओवर फेंक देते तो शायद वो जीत जाते। लेकिन भारत के पूर्व महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा कि भले ही शाहीन शाह अफरीदी ने चार ओवरों का अपना कोटा पूरा कर लिया होता, पाकिस्तान की मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप 2022 के फाइनल में हार पक्की थी।

हैरी ब्रूक को आउट करने के लिए कैच लेते समय शाहीन को चोट लग गई और वह कुछ देर के लिए बाहर चले गए। वह इंग्लैंड के लक्ष्य का पीछा करते हुए 16वें ओवर में लौटे, लेकिन लियाम लिविंगस्टोन को केवल एक ही गेंद फेंकने के बाद उन्हें फिर लौटना पड़ा। गावस्कर ने माना कि पाकिस्तान 15-20 रन कम था और उनके गेंदबाजों के पास खेलने के लिए पर्याप्त रन नहीं थे। गावस्कर से सवाल किया गया कि क्या शाहीन अफरीदी द्वारा गेंदबाजी ना करने से पाकिस्तान को नुकसान पहुंचा तो उन्होंने जवाब दिया, ÷मुझे ऐसा नहीं लगता, क्योंकि उनके पास बोर्ड पर पर्याप्त रन नहीं थे। वे लगभग 15-20 रन कम थे। अगर वे 150-155 तक पहुंच जाते तो उनके पास बेहतर मौका होता और उनके गेंदबाजों को थोड़ी राहत मिलती। लेकिन मुझे नहीं लगता कि जिन 10 गेंदों को शाहीन ने नहीं फेंका, उनसे इतना अंतर आया होगा। हो सकता है कि पाकिस्तान को एक और विकेट मिल गया होता, लेकिन फिर भी इंग्लैंड जीत जाता।'

सानिया और शोएब लायेंगे टॉक शो

लाहौर । टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक ने तलाक की अटकलों के बीच ही एक टॉक शो लाने की घोषणा की है। इस नए कार्यक्रम का नाम 'मिर्जा मलिक शो' रखा है। इसका पोस्टर भी काफी वायरल हो रहा है। यह शो पाकिस्तानी चैनल पर आने वाला है। पिछले कुछ दिनों से इन दोनो के बीच सब-कुछ ठीक नहीं होने की खबरें आ रहीं थीं। वहीं अब ये दोनो एक कार्यक्रम पेश करने जा रहे हैं जिससे लोग इनके रिश्ते को लेकर संशय में हैं। वहीं हाल में स्थानीय मीडिय के अलावा यूएई की मीडिया में यह खबरें तेजी से आ रही थीं कि सानिया और शोएब मलिक ने आधिकारिक तौर पर तलाक ले लिया है। यह खबरें अभी भी सुर्खियों में बनी हुई हैं दोनों के बीच रिश्ते ठीक नहीं चल रहे थे। यह भी कहा गया कि शोएब ने सानिया को एक शो के दौरान धोखा दिया था। तभी से रिश्तों में दूरियां आ गई थी हालांकि अभी सानिया और शोएब की ओर से इस मामले में कोई बयान सामने नहीं आया है।

अफगानिस्तान सरकार ने महिला क्रिकेट फिर शुरु करने की मंजूरी दी : आईसीसी

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ने कहा है कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने महिला क्रिकेट बहाल करने को मंजूरी दे दी है। इससे अब यहां महिला क्रिकेटरों के खेलने पर लगी पाबंदी हट जाएगी। वहीं इससे पहले तालिबान के देश पर कब्जा के बाद से ही अन्य खेलों की तरह ही महिला क्रिकेट पर भी रोक लग गयी थी। आईसीसी ने तब देश में क्रिकेट की स्थिति की समीक्षा के लिये एक कार्यकारी दल का गठन भी किया है। बोर्ड को अफगानिस्तान के कार्यकारी दल से ताजा जानकारी मिल गयी है। जिसमें अफगानिस्तान सरकार के प्रतिनिधियों और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड से दोहा में हुई एक मुलाकात की जानकारी थी।

आईसीसी ने कहा कि सरकारी अधिकारी ने कहा कि उनकी प्रतिबद्धता पूरी तरह से आईसीसी के संविधान का सम्मान करने और इसका अनुकरण करने की है जिसमें विशेष रूप से विविधता और समावेशिता शामिल है, ऐसे में अब अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड अपने अनुसार काम करेगा। कार्यकारी दल के अध्यक्ष इमरान ख्वाजा ने कहा, ''बैठक सकारात्मक रही और सरकारी प्रतिनिधि आईसीसी के संविधान के पूर्ण समर्थन में थे जिसमें सैद्धांतिक रूप से अफगानिस्तान में महिला क्रिकेट की बहाली शामिल है।'' गौरतब है कि अफगानिस्तान आईसीसी के पूर्ण सदस्य देशों में एक है। अफगानिस्तान की पुरूष टीम ने 2021 और 2022 टी20 विश्व कप में हिस्सा लिया। साथ ही आईसीसी अंडर-19 वैश्विक प्रतियोगिता के 2027 तक मेजबानों की घोषणा की गयी।

बटलर की नजर में सूर्य कुमार यादव हैं प्लेयर आफ द टूर्नामेंट

मेलबर्न (एजेंसी)।

इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने भारत के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को उनकी नजर में टी20 विश्व कप का 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' बताया। सूर्य ने 189 . 68 की स्ट्राइक रेट से टूर्नामेंट में 239 रन बनाये और वह सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर है। आईसीसी ने नौ खिलाड़ियों को चुना है जिनमें से किसी एक को यह पुरस्कार दिया जायेगा। इसमें इंग्लैंड के तीन, भारत और पाकिस्तान के दो दो और श्रीलंका तथा जिम्बाब्वे का एक एक खिलाड़ी है।

बटलर ने पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल से पहले कहा ,''मुझे लगता है कि सूर्यकुमार यादव ने बेखौफ खेल दिखाया। इतने सितारों से भरी टीम का उसका ऐसा प्रदर्शन शानदार रहा।'' इस सूची में विराट कोहली का भी नाम है जिन्होंने छह मैचों में 136 . 40 की स्ट्राइक रेट से सर्वाधिक 296 रन बनाये। बटलर ने अपनी टीम के सैम कुरेन और एलेक्स हेल्स को भी पुरस्कार का प्रबल दावेदार बताया। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा ,'' मुझे लगता है कि शादाब खान को पुरस्कार मिलना चाहिये।'' उन्होंने कहा ,'' उसकी गेंदबाजी शानदार रही और बल्लेबाजी में भी सुधार आया है। उसने तीन मैचों में शानदार प्रदर्शन किया और उसकी फील्डिंग भी गजब की थी।

भारतीय महिला टीम ने एशियाई एयरगन चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला टीम ने दक्षिण कोरिया के डेगू में एशियाई एयरगन चैंपियनशिप की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में रविवार को स्वर्ण पदक जीता। तिलोत्तमा सेन, रमिता और नैन्सी की टीम ने 10 मीटर एयर राइफल टीम ने महिला जूनियर प्रतियोगिता में कोरिया को 16-2 से इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में हराकर एक और स्वर्ण जीता। इससे पहले मेहुली घोष और तिलोत्तमा ने शनिवार को टूर्नामेंट के 15वें सत्र में भारत के लिए दो स्वर्ण पदक जीते थे।

प्रो कबड्डी लीग : दिल्ली को हराकर दूसरे नंबर पर पहुंचा पिंक पैंथर्स

पुणे (एजेंसी)।

(ईएमएस)। जयपुर पिंक पैंथर्स वीवो प्रो कबड्डी लीग के नौवें सत्र में दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है। पिंक पैंथर्स ने मौजूदा चैंपियन दबंग दिल्ली केसी को चार बार आलआउट करते हुए 25 अंक से हराया। इसी प्रकार पिंक पैंथर्स ने इस मैच में सत्र का सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया। सत्र के 75वें मैच में जयपुर ने दिल्ली को 57-32 के अंतर से हराया। यह जयपुर की 13 मैचों में आठवीं जीत है। वहीं दिल्ली की टीम को 13 मैचों में सातवीं हार का सामना करना पड़ा है।

पिंक पैंथर्स की ओर से अर्जुन देसवाल 13 और राहुल चौधरी 13 ने सुपर-10 लगाया जबकि डिफेंस में कप्तान सुनील और साहुल ने चार-चार अंक लिए। दिल्ली की ओर विजय मलिक ने 11 अंक एकत्र किये जबकि उसके स्तार रेडर नवीन कुमार केवल 3 अंक ले हासिल कर पाये। राहुल के अलावा देसवाल भी जयपुर के लिए लगातार अंक ले रहे थे।

पहला हाफ 27-13 से जयपुर ने जीता। उसने रेड में 13 और डिफेंस में 9 अंक लिए जबकि दिल्ली को रेड में 7 और डिफेंस में 5 अंक ही मिल पाये। जयपुर को आलआउट के भी चार अंक मिले। ब्रेक के बाद राहुल ने एक और मल्टी अंक हासिल किया। जयपुर ने धीरे-धीरे अपनी लीड बढ़ाकर 33-18 पहुंचा दी। ब्रेक के बाद दिल्ली को पांच जबकि जयपुर को 6 अंक मिले थे।जयपुर ने दिल्ली को चौथी बार आलआउट कर 49-26 की बढ़त के साथ अपनी सातवीं जीत तय की।

समर्थ लिस्ट-ए क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने 9वें भारतीय क्रिकेटर बने -तेंदुलकर और सहवाग जैसे खिलाड़ियों के क्लब में मिला प्रवेश

नई दिल्ली । युवा क्रिकेटर समर्थ व्यास ने विजय हजारे ट्रॉफी में दोहरा शतक लगाया है। इसी के साथ ही समर्थ ने सचिन तेंदुलकर और वीरेंद्र सहवाग जैसे खिलाड़ियों के एक खास क्लब में अपनी जगह बना ली है। समर्थ ने मणिपुर के खिलाफ 131 गेंदों पर 200 रन बनाए जिसमें 20 चौके और 9 छक्के शामिल थे। इसी के साथ ही वह लिस्ट-ए क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाले 9वें भारतीय क्रिकेटर बन गये हैं। इससे पहले सचिन तेंदुलकर और वीरेंद्र सहवाग जैसे खिलाड़ियों ने यह उपलब्धि हासिल की थी। इससे पहले सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, रोहित शर्मा, शिखर धवन, पृथ्वी शॉ, संजू सैमसन, यशस्वी जायसवाल और केवी कौशल ने लिस्ट-ए क्रिकेट में शतक लगाये हैं। समर्थ के लिस्ट-ए करियर की बात करें, तो उन्होंने इस मुकाबले से पहले तक 28 पारियों में 39 की औसत से 983 रन बनाए थे।

वहीं समर्थ की इस पारी से सौराष्ट्र ने मणिपुर के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 397 रन बनाये। सौराष्ट्र की ओर से समर्थ व्यास और हार्विक देसाई ने पारी शुरु की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 282 रन की बड़ी साझेदारी बनायी। हार्दिक ने 107 गेंद पर 100 रन बनाए। वहीं समर्थ ने 130 गेंद पर दोहरा शतक लगाया। यह उनके लिस्ट-ए करियर की सबसे बड़ी पारी है। समर्थ ने विजय हजारे ट्रॉफी के इस सत्र की अच्छी शुरुआत की है। यह उनका दूसरा मैच है. पहले मुकाबले में उन्होंने चंडीगढ़ के खिलाफ 64 गेंद पर 61 रन बनाए थे।

अब टीम इंडिया में होंगे बदलाव, टी20 और एकदिवसीय में अलग-अलग कप्तान होंगे

मुबई (एजेंसी)।

टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में मिली हार के बाद अब भारतीय टीम में नये बदलाव होने तय है। ऐसे में अगले साल की शुरुआत में टीम नये रुप में दिखेगी। टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में टीम की करारी हार के बाद से ही क्रिकेट बोर्ड पर भारी दबाव है। इसलिए नये साल में टी20 और एक-टेस्ट टीम के अलग-अलग कप्तान बनाये जाएंगे।

इस प्रकार जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज में भारत की एकदिवसीय और टी20 टीम अलग-अलग कप्तानों के साथ नजर आयेगी। भारतीय टीम को जनवरी में श्रीलंका से तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैच खेलने हैं। इसमें रोहित शर्मा जहां एकदिवसीय टीम की कप्तानी करेंगे वहीं हार्दिक पंड्या टी20 टीम के कप्तान होंगे। हार्दिक इससे पहले न्यूजीलैंड दौरे पर भारतीय टी20 टीम की कप्तानी करेंगे।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'अगल-अलग कप्तान बनाने पर विचार चल रहा है। इस दौरान यह भी देखा जाएगा कि यह नीति सही रहेगी या नहीं। इससे हालांकि यह एक कप्तान पर ही पड़ने वाला काम का बोझ कम होगा। हमें टी20 के लिए नए दृष्टिकोण की जरूरत है और साथ ही 2023 में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए निरंतरता की भी जरुरत है। हम इसपर जनवरी में बैठकर ही कोई फैसला लेंगे।

बीसीसीआई अधिकारी ने कहा, इसे रोहित को कप्तानी से हटाये जाने के तौर पर नहीं देखना चाहिये। यह रोहित के लिए भविष्य और काम के बोझ को लेकर है। रोहित की उम्र भी बढ़ रही है। इसलिए हमें लगता है कि टी20 टीम के लिए नई सोच और नई ऊर्जा की जरूरत है।

इस बैठक को लेकर बीसीसीआई के अधिकारी ने कहा कि हम उन्हें बैठक के लिए बुला रहे हैं। सेमीफाइनल में जो हुआ, उसे पचा पाना संभव नहीं है। इससे यह तो साफ है कि बदलाव जरुरी है पर कोई भी बदलाव कप्तान और कोच की बात सुने बिना नहीं होगा। पूर्व कप्तान विराट और वर्तमान कप्तान रोहित के विचार लिए जाएंगे और इसके बाद ही भविष्य की टी20 टीम के बारे में कोई फैसला होगा.

गौरतलब है कि टी20 विश्व कप में हिस्सा लेने वाली भारतीय टीम 30.6 साल की औसत उम्र के साथ टूर्नामेंट की सबसे उम्रदराज टीमों में से एक थी। इस टीम में 37 साल के दिनेश कार्तिक सबसे अधिकि उम्र के खिलाड़ी थे और अब उनका बाहर होना तय है। वहीं आर अश्विन 37, रोहित शर्मा (35), विराट कोहली (33) और मोहम्मद शमी 34 भी शायद ही भविष्य की टी20 में फिट हो पायें। .

भारतीय टीम को अगले साल की शुरुआत में श्रीलंका से घरेलू धरती पर एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलनी है। इसके बाद न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत दौरे पर आएगी। वहीं माना जा रहा है कि हार्दिक पंड्या श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से ही स्थायी तौर पर टी20 टीम के कप्तान बन सकते हैं जबकि रोहित एकदिवसीय और टेस्ट की कप्तानी करते रहेंगे।

भ्रष्टाचार और भय के कारण शिंदे नीत सरकार बनी : नाना पटोले

मुंबई, 13 नवम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने रविवार को आरोप लगाया कि राज्य में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार भ्रष्टाचार और भय के कारण अस्तित्व में आई। पटोले ने यहां संवाददाता सम्मेलन में यह भी दावा किया कि राज्य में कैबिनेट का विस्तार इसलिए नहीं किया जा रहा है, क्योंकि सरकार गिर सकती है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री कैबिनेट का विस्तार क्यों नहीं कर रहे हैं? इसका कारण यह है कि यह सरकार गिर सकती है। यह सरकार भ्रष्टाचार एवं भय के कारण बनी। एक कैबिनेट मंत्री छह जिलों का प्रभारी है।

महाराष्ट्र में क्या हो रहा है?'' पटोले ने कहा कि मुख्यमंत्री शिंदे हर समय महा विकास आघाड़ी (एमवीए) पर दोषारोपण करते रहते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, लेकिन वह और कई मौजूदा मंत्री एमवीए सरकार का हिस्सा थे।'' पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के 40 विधायकों के विद्रोह के कारण 29 जून को गिर गई थी।

इसके अगले दिन शिंदे ने मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के नेता देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। इस सरकार का पहला कैबिनेट विस्तार शिंदे के मुख्यमंत्री बनने के 40 दिन बाद नौ अगस्त को हुआ था। वर्तमान में राज्य मंत्रिपरिषद में शिंदे सहित 18 कैबिनेट मंत्री हैं। शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना के धड़े और उसकी सहयोगी भाजपा के नौ-नौ मंत्री हैं। महाराष्ट्र में मंत्रिपरिषद में 43 सदस्य हो सकते हैं।

भारत के 99 फीसदी मुसलमान अपनी संस्कृति और मातृभूमि के कारण 'हिन्दुस्तानी' : इंद्रेश कुमार

मुंबई, 13 नवम्बर (एजेन्सी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेता इंद्रेश कुमार ने रविवार को कहा कि भारत के 99 फीसदी मुसलमान अपने पूर्वजों, संस्कृति, परंपराओं और मातृभूमि के कारण 'हिन्दुस्तानी' हैं। उन्होंने संगठन के प्रमुख मोहन भागवत के उस पुराने बयान का भी समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारतीयों के पूर्व एक ही थे, इसलिए उनका डीएनए भी एक है।

इंद्रेश कुमार ठाणे जिले के उत्तान में रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी में आरएसएस से संबंद्ध मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की थी। इसके समापन के मौके पर कुमार पहुंचे हुए थे।

आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार के हवाले से एक विज्ञप्ति में कहा गया, पवित्र कुरान के निर्देशों और सिद्धांतों के अनुसार हमें अपने राष्ट्र के प्रति कर्तव्य को अन्य सभी चीजों के ऊपर मानना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, भारत में 99 फीसदी मुसलमान अपने पूर्वजों, संस्कृति, परंपराओं और मातृभूमि से हिन्दुस्तानी हैं।

उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के उस बयान का जिक्र किया जिसमें उन्होंने कहा था कि डी का मतलब 'ड्रीम्स वी गेट एवरीडे' (वो सपना जो हम रोज देखते हैं), एन का मतलब 'नेटिव नेशन' (मूल राष्ट्र) और ए का मतलब 'एनसेस्टर्स' (पूर्वज) है। उन्होंने कहा कि हम सभी अपनी मातृभाषा में सपने देखते हैं।

आरएसएस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य कुमार ने आगे कहा, हमारे पूर्वज एक हैं और हमारे मूल राष्ट्र एक है, जिसमें हम सभी डीएनए साझा करते हैं। दो दिवसीय कार्यशाला में राज्यभर के चालीस से ज्यादा स्थानों से महिलाओं समेत ढाई सौ कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

इस मौके पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक इरफान अली पीरजादे, विराग पचपोरे सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

नफरत फैलाने वाले विक्टिम कार्ड खेल रहे हैं : कन्हैया कुमार

नई दिल्ली, 13 नवम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि भारत जोड़ो यात्रा लोगों के मुद्दों को उठाने के अपने उद्देश्य को हासिल करने में कामयाब रही है और आगे चलकर यह तय करेगी कि सरकार को जवाबदेह ठहराया जाए। विपक्षी दल ने यह भी कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की छवि खराब करने के लिए फैलाए गए झूठ को भारत जोड़ो यात्रा ने ध्वस्त कर दिया गया है और उनकी वास्तविकता देश के सामने आ गई है। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस टिप्पणी को लेकर भी उन पर निशाना साधा कि उन्हें हर दिन 2-3 किलोग्राम गालियां मिलती हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि नफरत फैलाने वाले भी विक्टिम कार्ड खेल रहे हैं।

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि यात्रा उम्मीद से ज्यादा सफल रही है। उन्होंने कहा, जब यह शुरू हुआ, तो इस बारे में बहुत सारे सवाल उठे थे कि लोग आएंगे या नहीं या हम हर दिन 25 किमी. की दूरी तय कर पाएंगे या नहीं। पिछले 60 दिन एक झटके में बीत चुके हैं। कुमार ने कहा, यात्री शारीरिक दर्द भूल गये हैं। यात्रा ने अपना पहला उद्देश्य हासिल कर लिया है। यात्री इस यात्रा में सहज हो गए हैं, यात्रा देश के साथ सहज हो गई है और देश यात्रा के साथ सहज हो गया है।

कुमार पूर्व पार्टी अध्यक्ष के साथ चलने वाले उन पदयात्रियों में से एक हैं जो कन्याकुमारी से कश्मीर तक साथ रहेंगे। उन्होंने कहा कि यात्रा ने अपना पहला उद्देश्य हासिल कर लिया है और लोग जानते हैं कि यह उनके मुद्दों को उजागर करने के लिए की जा रही है। यह पूछे जाने पर कि क्या यात्रा के कारण राहुल गांधी की छवि में कोई बदलाव आया है, कुमार ने कहा, राहुल गांधी के बारे में बहुत कुछ कहा गया है। रिपोर्टर पूछते हैं कि क्या उनकी छवि में सुधार होगा, मैं कहूंगा कि देश के लोग उन्हें सही मायने में जानेंगे।

कुमार ने कहा, राहुल गांधी के बारे में जो कुछ कहा गया था कि वह गंभीर नहीं हैं, वह विदेश चले जाएंगे, चल नहीं पाएंगे, छुट्टी पर चले जाएंगे, कंटेनर में नहीं रह पाएंगे, यह सब खत्म हो गया है। उनकी छवि खराब करने के लिए करोड़ों रूपये खर्च किये गये, लेकिन सिर्फ सड़क पर चलने से वास्तविकता स्पष्ट हो चुकी है। कुमार ने कहा कि मूल्य वृद्धि और बेरोजगारी दो प्रमुख आम मुद्दे हैं जो यात्रा के दौरान लोगों की प्रतिक्रिया में सामने आए। उन्होंने कहा कि संघवाद के संरक्षण का मुद्दा दक्षिणी राज्यों में भी उठाया गया था और भावना यह थी कि केंद्र न्याय नहीं कर रहा है।

आज नवनिर्वाचित पंचायत जनप्रतिनिधि लेंगे शपथ

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 13 नवम्बर। सिक्किम पंचायत चुनाव की शनिवार को सम्पन्न हुई मतगणना के बाद कल 14 नवम्बर को सभी नवनिर्वाचित जिला एवं ग्राम पंचायत जनप्रतिनिधियों को शपथ दिलायी जायेगी। राज्य चुनाव आयोग ने इस सम्बंध में सभी छह जिलों के चुनाव अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।

राज्य चुनाव आयोग के सचिव टीएन भूटिया ने आज अपराह्न जारी किये गये अपने एक निर्देश में सभी जिला चुनाव अधिकारियों को कल सुबह नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाने को कहा है।

गौरतलब है कि बीते 10 नवम्बर को हुए चुनाव के बाद शनिवार को मतों की गिनती की गयी थी। वहीं आज से निवर्तमान पंचायतों का कार्यकाल समाप्त हो गया है। उल्लेखनीय है कि गेजिंग, मंगन, नामची और पाकिम जिलों में एक-एक वार्ड पंचायत पद पर चुनाव नहीं हो सका है, जबकि 1143 वार्ड पंचायतों और 122 जिला पंचायतों में चुनाव के बाद जनप्रतिनिधि चुने गये हैं।

जिला और ग्राम पंचायतों के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष पद के लिए आरक्षण रोस्टर अधिसूचना प्रकाशित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 13 नवम्बर। सिक्किम के ग्रामीण विकास विभाग ने सभी नवनिर्वाचित जिला पंचायतों के लिए जिलाध्यक्ष, उपाध्यक्ष और ग्राम पंचायतों के लिए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष पदों के लिए रोस्टर सम्बंधी एक अधिसूचना जारी की है।

आज प्रकाशित उक्त आरक्षण रोस्टर के अनुसार गंगटोक जिला को अन्य पिछड़ा वर्ग (राज्य) के जिलाध्यक्ष तथा ओबीसी (राज्य) महिलाओं के लिए आरक्षित किया गया है। वहीं गेजिंग जिला के लिए जिलाध्यक्ष पद को अनुसूचित जनजाति तथा उपाध्यक्ष पद को ओबीसी (केंद्रीय) महिला के लिए आरक्षित किया गया है। इसी तरह सोरेंग जिला में जिलाध्यक्ष पद ओबीसी (केंद्रीय) तथा उपाध्यक्ष पद अनुसूचित जाति को दिया गया है।

वहीं नामची जिला में जिलाध्यक्ष पद अन्य पिछड़ा वर्ग (केंद्रीय) तथा उपाध्यक्ष पद को अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित किया गया है। इसके अलावा पाकिम जिला में अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (राज्य) की महिलाओं के लिए आरक्षित किया गया है। मंगन जिला के लिए अध्यक्ष पद अनुसूचित जनजाति तथा उपाध्यक्ष पद अनुसूचित जनजाति (भूटिया-लेप्चा) के लिए आरक्षित किया गया है।

आईआईटी गुवाहाटी में दो दिवसीय जनजातीय गौरव दिवस आयोजित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 13 नवम्बर। जनजातीय समुदायों के विज्ञान एवं तकनीकी सशक्तिकरण पर दो दिवसीय जनजातीय गौरव दिवस का गत 11 एवं 12 तारीख को गुवाहाटी आईआईटी में आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा ने इसका उद्‌घाटन किया।

इस अवसर पर विशेष अतिथि केंद्रीय विज्ञान व तकनीक राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र प्रसाद के अलावा कई राज्यों के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

'परम्परागत जानकारी के संरक्षण एवं स्थानान्तरण में जनजातीय महिलाओं की भूमिका' विषयक इस कार्यक्रम में अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के साथ ही सिक्किम से राज्य के विज्ञान व तकनीकी विभाग के प्रतिनिधिगण शामिल हुए। इस दौरान सिक्किम द्वारा लगाये गये स्टॉलों में इलाइची, स्टिंनिंग नेटल चाय, नेटल बैग, जैविक हल्दी, बड़ी इलाइची, इलाइची के रेशे तथा बांस के हस्तशिल्प शामिल रहे। यहां राज्य के विभिन्न वन धन विकास केंद्रों के उत्पादों के प्रदर्शन के साथ ही उनकी बिक्री की गयी। इसका उद्देश्य जनजातीय कलाकारों द्वारा निर्मित उत्पादों के मूल्यवर्धन द्वारा उनकी आय बढ़ाना था।

वहीं कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर चर्चात्मक एवं प्रस्तुतिकरण हुए जिसमें सिक्किम की ओर से विज्ञान व तकनीक विभाग द्वारा जनजातीय समुदायों जीविका प्रणाली का निर्धारण तथा उनकी क्षमता, सामाजिक आर्थिक स्थिति एवं संरक्षण पर विचार रखे गये।

राजनाथ सिंह ने किया पृथ्वी राज चौहान की प्रतिमा का अनावरण, हरियाणा को बताया वीरों की धरती

झज्जर, 13 नवम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को झज्जर के कुलाना में सम्राट पृथ्वी राज चौहान की प्रतिमा का अनावरण किया। सीएम मनोहर लाल ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि देश की सामाजिक, सांस्कृतिक दिशा को मोड़ने वाले पृथ्वीराज चौहान की मूर्ति का अनावरण किया।

सम्राट पृथ्वीराज चौहान की मूर्ति के अनावरण कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वीरता हरियाणा की हवाओं में तैरती है। देश ही नहीं विदेशों में ये बात मानी जाती है। हरियाणा के हर गांव में हमारे सैनिकों की कहानी है। हमारे यहां के जवान देश की सरहदों की रक्षा करते हैं। रक्षामंत्री ने कहा कि मातनहेल में सैनिक स्कूल की फीसीबिलिटी देखी जाएगी। इस दौरान उन्होंने सीएम मनोहर लाल की तारीफ की। राजनाथ ने कहा कि मनोहर लाल जनता के लिए काम करने वाला संत प्रकृति के मुख्यमंत्री हैं। सत्ता के शिखर पर भी उनके दामन पर एक भी दाग नहीं है।

इस दौरान राजनाथ सिंह ने विपक्षा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम ने जी 20 के लिए लोगो जारी किया। लोगो में कमल था। लोग कहते हैं कि यह भाजपा का प्रतीक है। हद है। कमल को 1950 में राष्ट्रीय फूल घोषित किया गया था क्योंकि यह भारत का सांस्कृतिक प्रतीक है। 1857 के संघर्ष में, स्वतंत्रता सेनानियों ने एक हाथ में रोटी और दूसरे हाथ में कमल लेकर लड़ाई लड़ी थी।

देश के पहले प्राइवेट रॉकेट की लॉन्चिंग टली, खराब मौसम बना वजह

नई दिल्ली, 13 नवम्बर (एजेन्सी)। हैदराबाद स्थित अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने रविवार को कहा कि खराब मौसम की वजह से भारत के पहले निजी तौर पर विकसित रॉकेट विक्रम-एस का उप-कक्षीय प्रक्षेपण तीन दिनों के लिए (18 नवंबर तक) स्थगित हो गया है। स्काईरूट एयरोस्पेस के प्रवक्ता ने कहा, ''खराब मौसम के पूर्वानुमान के कारण, हमें श्रीहरिकोटा से हमारे विक्रम-एस रॉकेट प्रक्षेपण के लिए 15-19 नवंबर तक एक नयी विंडो दी गई है, जिसकी सबसे संभावित तारीख 18 नवंबर को सुबह 11:30 बजे है। प्रक्षेपण के लिए पहले 15 नवंबर की तारीख निर्धारित की गयी थी।

स्काईरूट एयरोस्पेस का 'प्रारम्भ' नामक पहला मिशन दो भारतीय और एक विदेशी ग्राहकों के अंतरिक्ष उपकरण (पेलोड) को ले जाएगा और श्रीहरिकोटा में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रक्षेपण स्थल से प्रक्षेपण को तैयार है। इस मिशन को स्काईरूट के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जाता है, क्योंकि यह उन 80 प्रतिशत तकनीकों को मान्यता दिलाने में मदद करेगा, जिनका उपयोग विक्रम-1 कक्षीय वाहन में किया जाएगा, जिसे अगले साल प्रक्षेपित करने की योजना है। स्काईरूट के एक प्रवक्ता ने कहा, ''जिस प्रमुख क्षेत्र की हम बारीकी से निगरानी करेंगे, वह हमारे ठोस ईंधन वाले रॉकेट इंजन 'कलाम - 1' का प्रदर्शन होगा।''

चेन्नई स्थित एयरोस्पेस स्टार्टअप 'स्पेसकिड्‌ज' भारत, अमेरिका, सिंगापुर और इंडोनेशिया के छात्रों द्वारा विकसित 2.5 किलोग्राम पेलोड 'फन-सैट' प्रक्षेपित करेगा। इस मिशन के साथ स्काईरूट अंतरिक्ष में रॉकेट प्रक्षेपित करने वाली भारत की पहली निजी अंतरिक्ष कंपनी बनने को तैयार है। इससे अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत होगी। निजी क्षेत्र की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए इसे 2020 में खोला गया था। स्काईरूट के प्रक्षेपण वाहनों को भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के संस्थापक और प्रसिद्ध वैज्ञानिक विक्रम साराभाई को श्रद्धांजलि के तौर पर 'विक्रम' नाम दिया गया है।

पंजाब में नए आर्म्स लाइसेंस पर रोक, हथियारों के सार्वजनिक प्रदर्शन पर भी पाबंदी

चंडीगढ़, 13 नवम्बर (एजेन्सी)। पंजाब की भगवंत मान सरकार ने हथियारों के नए लाइसेंस पर रोक लगा दी है। सरकार की तरफ से कहा गया है कि जब तक डीसी व्यक्तिगत रूप से संतुष्ट न हो तब तक कोई नया लाइसेंस जारी नहीं किया जाएगा। अब तक जारी हथियार लाइसेंसों की अगले 3 महीनों के भीतर समीक्षा की जाएगी।

इसके अलावा हथियारों के सार्वजनिक प्रदर्शन पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। आने वाले दिनों में रैंडम चेकिंग होगी। जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाली जश्न मनाने के दौरान गोलीबारी दंडनीय होगी।

पंजाब में बिगड़ती कानून व्यवस्था की वजह से आलोचना झेल रहे पंजाब सरकार कड़े फैसले ले रही है। शनिवार को ही बड़े स्तर पर पुलिस अधिकारियों के तबादले किए गए थे। सरकार ने तीन सीपी समेत आठ एसएसपी समेत कुल 30 आईपीएस और तीन पीपीएस अधिकारियों के ट्रांसफर के आदेश जारी किए थे। हिंदू नेता सुधीर सूरी हत्याकांड में अमृतसर पुलिस कमिश्नर अरुण पाल सिंह से खफा सरकार ने उन्हें आईजी प्रोविजनिंग लगाया गया है।

विज्ञापनजीवी को सुकेश ने किया बेनकाब : मनोज तिवारी

राजेश अलख

नई दिल्ली, 13 नवम्बर। बीजेपी सांसद और पूर्व दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष मनोज तिवारी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने सीएम केजरीवाल पर तंज कसते हुए कहा कि विज्ञापनजीवी अरविंद केजरीवाल को महाठग सुकेश चन्द्रशेखर ने बेनकाब कर दिया है। केजरीवाल का असली चेहरा सामने आ चुका है।

मनोज तिवारी ने कहा कि विज्ञापनजीवी केजरीवाल को महाठग सुकेश ने बेनकाब कर दिया है। दिल्ली के स्कूलों का करने के लिए न्यूयॉर्क टाइम्स में विज्ञापन दिया था। सांसद मनोज तिवारी नें दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर हमला बोलते हुए महाठग बताया। बता दें कि गुजरात, हिमाचल और दिल्ली एमसीडी चुनाव के पहले से बीजेपी और आम आदमी पार्टी के नेता एक दूसरे पर जमकर वार पलटवार कर रहे हैं। हालांकि हिमाचल में मतदान संपन्न हो चुका है गुजरात और एमसीडी के लिए मतदान बाकी है।

डियर साप्ताहिक लॉटरी
उत्तर 24 परगना निवासी ने
₹ 1 करोड़ जीते

उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल के श्री काशीनाथ साहा ने **26.09.2022** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नम्बर **41D 64143** है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार विजेता टिकट जमा कर दी है। "जीवन भर के इस अद्भुत अवसर के लिए मैं डियर लॉटरी और नागालैंड स्टेट लॉटरी को धन्यवाद देने हेतु शब्द तलाश रहा हूँ। लॉटरी से पुरस्कार राशि के एक करोड़ रुपए जीतना पूरी तरह अप्रत्याशित और असामान्य है। यह विशाल पुरस्कार राशि हमारी आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में हमें सहायता करेगी।" विजेता ने कहा। डियर लॉटरी के ड्रॉ लाइव दिखाये जाते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com